दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

जीवन की सरगम ......
मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता ......

वर्ष : 12 | अंक : 126 | लखनऊ, 28 अप्रैल, मंगलवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

गंगा एक्सप्रेस वे: मेरठ से प्रयागराज तक होगा विकास

प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर को आर्थिक विकास से जोड़ने की नीति से हर जिले की स्थानीय ताकत को उद्योग से जोड़ेगा मेगा कॉरिडोर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर को आर्थिक विकास से जोड़ने की नीति के तहत गंगा एक्सप्रेसवे अब एक इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर (आईएमएलसी) के रूप में विकसित हो रहा है। इस एक्सप्रेसवे कम इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल तेज आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि हर जिले की स्थानीय विशेषताओं को उद्योग और बाजार से जोड़ने का माध्यम बन रहा है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे 12 आईएमएलसी नोड्स प्रत्येक जिले में अलग-अलग सेक्टर पर केंद्रित हैं, जिससे क्षेत्रीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

गंगा एक्सप्रेसवे का प्रारंभिक बिंदु मेरठ के बिजौली गांव से है, जो दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़कर राष्ट्रीय राजधानी से सीमलेस कनेक्टिविटी प्रदान करता है। यह कनेक्टिविटी मेरठ को डेटा सेंटर, वेयरहाउसिंग और स्पोर्ट्स गुड्स इंडस्ट्री के बड़े हब के रूप में विकसित कर रही है। दिल्ली की निकटता के कारण यहां लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स सेक्टर तेजी से विस्तार कर रहा है, जिससे रोजगार और निवेश दोनों में वृद्धि हो रही है। हापुड़ में एक्सप्रेसवे गढ़मुक्तेश्वर (ब्रजघाट) को सीधे जोड़ता है, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। यहां विशेष इंटरचेंज विकसित किए गए हैं, ताकि पर्यटकों की आवाजाही आसान हो सके। साथ ही, यह क्षेत्र आलू और अन्य फसलों के लिए प्रसिद्ध है, जिसके चलते कोल्ड स्टोरेज और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित किए जा रहे हैं। इससे किसानों को बेहतर मूल्य और बाजार उपलब्ध होगा।

बुलंदशहर जो जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बेहद करीब है। इससे यह जिला एक प्रमुख सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित हो रहा है। यहां बड़े इंडस्ट्रियल क्लस्टर और डेयरी आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। अमरोहा के ढोलक और लकड़ी के उत्पाद अब अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचेंगे, साथ ही एग्रो प्रोसेसिंग को बढ़ावा मिलेगा। संभल, जो अब तक सीमित कनेक्टिविटी के कारण विकास की दौड़ में पीछे था, गंगा एक्सप्रेसवे के साथ तेजी से उभरते आर्थिक नक्शे पर अपनी जगह बना रहा है। यहां के प्रसिद्ध हॉर्न और बोन क्राफ्ट को अब आधुनिक लॉजिस्टिक्स और बेहतर ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के जरिए सीधे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ा जा रहा है। इससे न सिर्फ उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय कारीगरों को बेहतर दाम, स्थायी रोजगार और वैश्विक पहचान मिलने का रास्ता भी खुलेगा। बदायूं में गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे विकसित हो रही विशाल इंडस्ट्रियल टाउनशिप जिले की तस्वीर बदलने की दिशा में निर्णायक कदम है।

शाहजहांपुर में 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी का निर्माण इस जिले को रणनीतिक दृष्टि से नई पहचान दे रहा है, जहां आवश्यकता पड़ने पर फाइटर जेट्स की लैंडिंग संभव होगी। गंगा एक्सप्रेसवे के साथ यह संयोजन न सिर्फ सुरक्षा के लिहाज से अहम है, बल्कि विकास के नए द्वार भी खोल रहा है। साथ ही, यहां स्थापित किए जा रहे कौशल विकास केंद्र स्थानीय युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देकर उन्हें औद्योगिक अवसरों से जोड़ रहे हैं, जिससे शाहजहांपुर तेजी से आत्मनिर्भर और सशक्त आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है।

हरदोई में प्रस्तावित नॉलेज पार्क और टेक्सटाइल पार्क जिले को औद्योगिक पहचान देने की दिशा में बड़े कदम हैं, जो निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे। उन्नाव अब लखनऊ और कानपुर के साथ मिलकर एक सशक्त ट्राई-सिटी इकोनॉमिक मॉडल के रूप में उभर रहा है, जो पूरे क्षेत्र को औद्योगिक और व्यावसायिक गति देने जा रहा है। साथ ही कानपुर के लेदर उद्योग को बड़ा लाभ मिलेगा। अब तैयार उत्पाद तेजी से राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच सकेंगे। रायबरेली में लालगंज रेलवे कोच फैक्ट्री के आसपास एंसिलरी इंडस्ट्रीज का तेजी से विस्तार हो रहा है। अब यह जिला प्रमुख हाईवे और औद्योगिक कॉरिडोर से सीधे जुड़कर निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है।

प्रतापगढ़ का प्रसिद्ध आंवला अब गंगा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी के साथ वैश्विक बाजारों तक तेजी से पहुंचने को तैयार है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स को मिल रहे प्रोत्साहन से यहां एग्रो-वैल्यू चेन मजबूत हो रही है, जिससे उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और निर्यात क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। प्रयागराज के जुदापुर डांडू गांव पर गंगा एक्सप्रेसवे का समापन इस शहर को कनेक्टिविटी के नए शिखर पर पहुंचा रहा है। इसके साथ ही यहां प्रस्तावित विशाल कमर्शियल हब प्रयागराज को आस्था के साथ-साथ व्यापार और सेवाक्षेत्र का भी मजबूत केंद्र बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा।

फूड प्रोसेसिंग नीति से किसानों की आय बढ़ेगी, 18 नये निवेश प्रस्ताव मंजूर

- **स्टार्ट-अप्स को मिलेगा बढ़ावा, 350 करोड़ अनुदान से निवेश और रोजगार को रफ्तार**

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 राज्य में निवेश, रोजगार और निर्यात को नई गति दे रही है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ स्टार्ट-अप्स और उद्यमियों को सशक्त समर्थन देना है। कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें 18 नए निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों में स्टार्च निर्माण, डेयरी उत्पाद, पास्ता, मुरमुरा, पोल्ट्री व कैटल फीड, ऑर्गेनिक उत्पाद प्रसंस्करण सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों के विनिर्माण से जुड़ी इकाइयां शामिल हैं।

अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा ने बताया कि प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में पूंजी निवेश के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। अब तक स्वीकृत परियोजनाओं में 350 करोड़ रुपये की अनुदान राशि वितरित की जा चुकी है। बैठक में बागपत में स्थापित फ्रोजन फ्रूट्स एंड वेजिटेबल यूनिट के लिए निवेशक जयदेव सिंह को समय पर इकाई स्थापना के लिए सम्मानित किया गया। वहीं अमेठी में स्टार्च उत्पादन से जुड़े प्रोजेक्ट को भी स्वीकृति मिली, जिसका उपयोग बिस्कुट और टॉफी निर्माण में होगा।

इसके अलावा बुलंदशहर की शाकुंभरी ऑर्गेनिक एक्जिम एलएलपी की ओर से तिल, मूंगफली, गेहूं और दालों के प्रसंस्करण व पैकेजिंग से जुड़ी परियोजना को भी सब्सिडी के लिए आवेदन किया गया है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत उत्तर प्रदेश 26,000 परियोजनाओं की स्वीकृति के साथ देश में पहले स्थान पर है, जबकि प्रयागराज जिले ने प्रदेश में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

खबर संक्षेप

गूगल मैप ने उन्नाव की जगह बरेली पहुंचा दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गूगल मैप्स के गलत निर्देश के कारण एक यात्री के उन्नाव के बजाय बरेली पहुंचने का मामला सामने आया है। यह घटना मैपिंग में गलतियों को उजागर करती है। प्रीति नाम की युवती को उन्नाव जाना था, लेकिन गलत लोकेशन के कारण वह बरेली पहुंच गई।

लद्दाख में 5 नए जिले बनाने को मिली मंजूरी

लद्दाख। एलजी विनय कुमार सक्सेना नेलद्दाख में 5 नए जिलों के गठन को मंजूरी दे दी है। केंद्र शासित प्रदेश में अब जिलों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। इसे लोगों की मांग को पूरा करने वाला ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। इनमें नुब्रा, शम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास शामिल हैं।

'सरके चुनर' मामले में संजय ने मांगी माफी

नई दिल्ली। फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' काफी विवादों में रहा है। इसके सीन्स और लिरिक्स पर लोगों ने विरोध जताया, जिसके बाद यूट्यूब से इसे हटा लिया गया। मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने संजय दत्त को समन जारी किया था। दत्त सोमवार को सुनवाई में शामिल हुए।

पीएम मोदी पहुंचे सिक्किम राज्य को देंगे बड़ी सौगात

गंगटोक। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार से 2 दिनी सिक्किम दौरे पर पहुंचे। लोगों ने स्वागत किया। वे सिक्किम के स्थापना दिवस के 50 वर्ष पूरे होने के समापन समारोह में हिस्सा लेंगे। 4000 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ भी करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर ही पहुंचे।

उत्तर भारत के कई इलाकों में अभी से दिखा गर्मी का रौद्र रूप, विभाग ने चेताया

बांदा देश में दूसरे दिन भी 'जला', कानपुर में टूटा 56 वर्ष का रिकॉर्ड, पारा 50 तक जाएगा

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

उत्तर भारत के कई इलाकों में अधिकतम तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। रविवार को उत्तर प्रदेश के बांदा में 46.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो देश में सर्वाधिक गर्म रहा। एक दिन पहले भी 47.7 डिग्री पारे के साथ बांदा तप रहा था। मौसम विभाग के अनुसार 27 अप्रैल को भी अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के आसपास है, जबकि न्यूनतम पारा 27 डिग्री सेल्सियस के करीब है। अगले छह दिनों में भी पारा 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे आने के आसार नहीं हैं।

मौसम में बदलाव के भी आसार है, जिससे अधिकतम पारे में कुछ गिरावट जरूर देखने को मिल सकती है। कानपुर में अप्रैल माह में पड़ रही गर्मी ने 56 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है। कानपुर के चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के मौसम विभाग में उपलब्ध अप्रैल माह के आंकड़ों के मुताबिक 26 अप्रैल को पारा सबसे अधिक 44.1 डिग्री पर पहुंचा।

मौसम विभाग के अनुसार यहां 46 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचा पारा

रविवार को बाड़मेर और जैसलमेर में 46 डिग्री रहा

कानपुर में अप्रैल में पड़ रही गर्मी ने 56 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है। कानपुर के चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के अनुसार 26 अप्रैल को पारा सबसे अधिक 44.1 डिग्री पर पहुंचा। नोडल अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि वर्ष 1971 से 2026 तक अप्रैल माह में अधिकतम पारा इतना कभी नहीं गया।

और तापमान बढ़ने की संभावनाः आईएमडी

देश में बढ़ती गर्मी को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि कई जिलों में तापमान और बढ़ सकता है। लोगों की सेहत पर असर पड़ने का खतरा भी बढ़ गया है। डॉक्टरों का कहना है कि ज्यादा गर्मी में शरीर जल्दी पानी और जरूरी नमक खो देता है, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकती है। इससे चक्कर आना, कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द और गंभीर स्थिति में हीट स्ट्रोक तक हो सकता है।

महाराष्ट्र तक बरस रही आग, ओडिशा में भी तापमान बढ़ा

देशभर में गर्मी ने विकराल रूप ले लिया है और आसमान से आग बरसती महसूस हो रही है। दिल्ली हो या फिर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र या फिर ओडिशा। देशभर के लगभग-लगभग सभी राज्य बेहाल है। आम तौर पर मध्य मई से शुरू होने वाली गर्मी इस बार अलग प्रकार से कहर ढाने में लगी है। तभी तो अप्रैल से ही तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच चुका है। लू के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे हैं और दोपहर में बाहर निकलना खतरे से खाली नहीं। मौसम विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि हालात और बिगड़ सकते हैं, ऐसे में सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

बढ़ती गर्मी पर दिल्ली के एलजी ने सख्त हिदायत दी

एक हफ्ते में जमीन पर दिखें प्लान, जिला मजिस्ट्रेट की होगी जिम्मेदारी

बैठक में तैयारियों की समीक्षा भी की

बढ़ती गर्मी को देखते हुए सोमवार को उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई और साफ निर्देश दिए गए कि हीट एक्शन प्लान को एक हफ्ते के भीतर प्रभावी तरीके से जमीन पर लागू किया जाए। उपराज्यपाल ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट इस पूरे अभियान में अहम भूमिका निभाएं और अपने-अपने क्षेत्रों में समन्वय के साथ काम करें। सार्वजनिक स्थानों पर गर्मी से राहत देने के लिए जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्यसभा सभापति ने दी मंजूरी

राघव चड्ढा, संदीप समेत सात आप नेता अब भाजपा सांसद

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने आप के 7 सांसदों के भाजपा में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद उच्च सदन में आप की स्थिति कमजोर हो गई है। संसद की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इन सातों सांसदों को अब भाजपा सदस्य के रूप में सूचीबद्ध कर दिया गया है, जिससे राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। इन सभी सांसदों ने शुक्रवार को सभापति को पत्र देकर स्वयं को भाजपा का हिस्सा मानने की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। आप के लिए यह झटका माना जा रहा है, क्योंकि इन सात सांसदों ने पार्टी पर उसके मूल सिद्धांतों और विचारधारा से भटकने का आरोप लगाते हुए भाजपा में शामिल होने का फैसला किया था।

अभी हमारी याचिका पर सुनवाई नहीं कीः संजय

सात राज्यसभा सांसदों के आपसे अलग होकर भाजपा में शामिल होने को राज्यसभा सभापति की मंजूरी मिल गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आप नेता संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने अशोक मित्तल पर छापे पड़वाए थे। भाजपा ने कहा था कि वे बहुत भ्रष्ट हैं। आज अशोक मित्तल भाजपा में चले गए हैं। सिंह ने कहा कि सातों सांसदों ने जो विलय का पत्र दिया है, चेयरमैन ने उसका संज्ञान लिया है। मैंने उन्हें पत्र लिखा है कि संविधान की 10वीं अनुसूची केअनुसार इनकी सदस्यता रद्द होनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि वे इस पर फैसला देंगे। अभी तक चेयरमैन साहब की ओर से हमारी याचिका पर सुनवाई नहीं हुई है।

आप सांसद न होते तो राघव को कौन पूछता?

आप ने सोमवार को राघव चड्ढा पर तीखा हमला बोला। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उनकी शादी बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा से केवल इसलिए हो पाई क्योंकि पार्टी ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। भारद्वाज ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि मैंने अभी राघव का एक वीडियो देखा जिसमें वह कह रहे हैं कि जिस तरह लोग नौकरी या कंपनी बदलते हैं, उसी तरह उन्होंने अपनी पार्टी बदल ली है।

सूरत में मेरठ जैसा हत्याकांड!

इस बार नीला ड्रम नहीं बॉक्स में छिपाई लाश, पति ही कातिल

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

शहर के सलाबतपुरा इलाके से मेरठ जैसा कांड सामने आया है। हालांकि इस हत्याकांड में दो चीजें बदली हुई हैं। यहां मुस्कान की तरह पत्नी ने नहीं बल्कि पति ने घटना को अंजाम दिया और नीले ड्रम की जगह लकड़ी के बॉक्स में पत्नी की लाश को छिपाया। इसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पति विशाल सालवी ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर अपराध को छिपाने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया। उसने 20 अप्रैल को अपनी पत्नी और पेशे से डायटीशियन शिल्पा की घरेलू विवाद के चलते हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को छिपाने के लिए एक लकड़ी का बॉक्स तैयार किया और शव रखकर ऊपर से मोटी सीमेंट की परत चढ़ा दी, ताकि बदबू बाहर न आए और किसी को शक न हो। 20 अप्रैल को घरेलू झगड़े के दौरान विशाल ने शिल्पा की हत्या कर दी थी।

सीजेआई ने पीड़ित महिला वकील के पत्र पर लिया स्वतः संज्ञान

अस्पतालों ने इलाज से क्यों किया इनकार? जांच करें

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में महिला अधिवक्ता पर कथित बर्बर हमले के मामले का सोमवार को स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को कई सख्त निर्देश दिए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जांच की जाए कि घायल महिला को 3 अलग-अलग अस्पतालों ने भर्ती करने से कथित रूप से इनकार क्यों किया? मामले की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी को सौंपने का आदेश दिया। जांच अधिकारी महिला अधिकारी हो तो बेहतर होगा, जो एसीपी या डीसीपी रैंक की हो। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि अदालत को तत्काल हस्तक्षेप की मांग वाला पत्र मिला था, जिसके बाद स्वतः संज्ञान लिया गया। विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट अगली सुनवाई में पेश करें।

तत्काल हस्तक्षेप के पत्र पर की गई सुनवाई

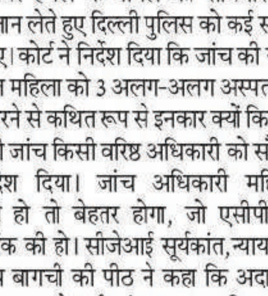

आरोपी पति गिरफ्तार

सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पीड़िता के पति, जो हमले का मुख्य आरोपी है, को 25 और 26 अप्रैल की दरमियानी रात गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी मनोज कुमार को खजूरी खास इलाके से पकड़ा गया। आरोप है कि उसने पत्नी पर चाकू से हमला किया। उसने पारिवारिक विवाद के चलते वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है।

एंटनी राजू की सजा बरकरार रखी

सुप्रीम कोर्ट ने केरल के पूर्व मंत्री एंटनी राजू की याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने 1990 के चर्चित अंडरवियर सबूत छेड़छाड़ मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केरल हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

जस्टिस स्वर्ण कांता की कोर्ट में अब पेश नहीं होंगे केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्माको एक पत्र लिखा है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे अब उनके समक्ष व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से पेश नहीं होंगे। पत्र में न्याय मिलने की उम्मीद टूटने की बात कही है।

बिजली कनेक्शन के नाम पर पैसे मांगने वाला जेई निलंबित, वीडियो हुआ था वायरल

लखनऊ। बिजली कनेक्शन के नाम पर पैसे मांगने वाले अवर अभियंता निलेश सिंह को प्रारंभिक जांच में निलंबित कर दिया गया है। लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अवर अभियंता द्वारा उपभोक्ता से 24 किलोवाट कनेक्शन के नाम पर डेढ़ लाख रुपये मांगे जा रहे थे। निवेश मित्र पर उपभोक्ता राज कुमार वर्मा द्वारा गुइन रोड, मालवीय नगर में व्यवसाय करने के लिए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया गया था। आवेदक का आरोप था कि निलेश सिंह पैसा लेने के लिए बार-बार घर से कार्यालय बुलाते थे। मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल के मुताबिक पूरे मामले की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। बता दें कि आवेदनकर्ता ने अवर अभियंता के उत्पीड़न से परेशान होकर घूस मांगने का वीडियो पूरा बना लिया था। इस पर अधीक्षण अभियंता कमलेश कुमार चौधरी ने जेई को निलंबित कर अधिशासी अभियंता (फाल्ट) कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। वही मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की एमडी रिया केजरीवाल ने शाहजहांपुर खंड से जेई आनंद कुमार और आवंला खंड बरेली से मनोज कुमार यादव को लखनऊ मध्य जोन में संबंद्ध किया है। अब मुख्य अभियंता जोन कार्यालय से एक की तैनाती निलेश सिंह की जगह और दूसरे की अन्य इकाई में जल्द होगी।

यूपी में उर्वरकों की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने प्रदेश में उर्वरकों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को खरीफ सीजन में उर्वरकों की उपलब्धता को व्यापक रणनीति बनाने के लिए कहा गया है, जिससे कहीं भी किल्लत की स्थिति न बने। सोमवार को मुख्य सचिव ने उर्वरकों की आपूर्ति, उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की।

खाद्य प्रसंस्करण नीति-2023 से निवेश व रोजगार को नई गति

किसानों की आय वृद्धि और स्टार्ट-अप को मिलेगा सशक्त समर्थन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन मे उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से एक प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। यूपी की खाद्य प्रसंस्करण नीति से निवेश, रोजगार और निर्यात को नई रफ्तार मिल रही है।प्रदेश सरकार द्वारा लागू उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीतिझ्र2023 का उद्देश्य राज्य में निवेश, रोजगार और निर्यात को प्रोत्साहित करते हुए किसानों की आय में वृद्धि करना है। उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व व निर्देशन मे खाद्य प्रसंस्करण विभाग, खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे सुदृढ़ नीति एवं पारदर्शी व्यवस्था के साथ आगे बढ़ रहा है।

कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अन्तर्गत गठित राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति (एस.एल.ई.सी.) की बैठक कृषि उत्पादन आयुक्त कार्यालय सभागार मे संपन्न हुई। बैठक में समिति के समक्ष 18 नए निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, इन प्रस्तावों में स्टार्च निर्माण, डेयरी उत्पाद, पास्ता एवं मुरमुरा उत्पादन, पोल्ट्री एवं कैटल फीड, ऑर्गेनिक उत्पाद प्रसंस्करण तथा विभिन्न खाद्य उत्पादों के विनिर्माण से संबंधित इकाइयां सम्मिलित हैं। समिति द्वारा इन प्रस्तावों पर विस्तार से विचार करते हुए आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया गया बैठक मे अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बी एल मीणा द्वारा बताया गया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में पूंजी निवेश में प्रदेश अग्रणी राज्यो मे है। स्वीकृत परियोजनाओ मे रु. 350.00 करोड़ की अनुदान राशि वितरित की जा चुकी है बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि परियोजनाएं प्रस्तुत करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया गया कि इकाई स्थल विनियमित क्षेत्र में नहीं है बैठक में अम्ब्रोसिया प्रोडक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जनपद बागपत में स्थापित फ्रोजेन फ्रूट्स & वेजिटेबल के निवेशक श्री जयदेव सिंह को समयान्तर्गत इकाई स्थापना एवं प्रदेश में निवेश करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। मेसर्स एफिकनो फिनटेक कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड जनपद अमेठी से स्टार्च उत्पादन से सम्बंधित प्रोडक्ट्स जिसका उपयोग बिस्कुट, टॉफी में किया जायेगा, निवेशक इंजिनियर एस. के. तिवारी, बी.टेक. केमिकल, एम्.टेक. प्रोसेस डिजाइनिंग तथा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में डिप्लोमा धारक हैं। ई. तिवारी द्वारा अवगत कराया गया कि वे ग्रीन फील्ड केमिकल प्रोजेक्ट्स प्लांट ऑपरेशंस, डीबॉटलनेकिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, गुणवत्ता आश्वासन/अनुपालन, लागत प्रबंधन, अपशिष्ट जल उपचार की सेटिंग के प्रबंधन में 42 वर्ष से अधिक के समृद्ध अनुभव वाले पेशेवर इंजिनियर हैं के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया । बताया गया कि जनपद बुलंदशहर से मेसर्स शाकुंभरी ऑर्गेनिक एक्जिम एलएलपी की ओर से मुकुल गुप्ता द्वारा उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत तिल, मूंगफली, गेहूं और दालों के प्रारंभी तथा द्वितीय प्रसंस्करण, ग्रेडिंग करते हुए पैकिंग से सम्बंधित परियोजना में सब्सिडी हेतु आवेदन किया गया है। श्री मुकुल भूषण गुप्ता कॉमर्स ग्रेजुएट हैं और एम्.बी.ए. धारक हैं। वह एक युवा और दक्ष उद्यमी हैं और इन्हें मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेडिंग बिजनेस, एक्सपोर्ट में 20 साल से ज्यादा का अनुभव है। योजनान्तर्गत टी.पी.आई.ए. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के प्रोफसर उपेन्द्र कुमार एवं डॉ एम्.एस. करुना को उत्कृष्ट स्थलीय सत्यापन हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत स्टेट प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट में सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी की सेवाएं नियमानुसार लिए जाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया तथा इसे अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (ढटऋटए) के अंतर्गत राज्य की प्रगति की समीक्षा भी की गई। समीक्षा में पाया गया कि कुल लक्ष्य के सापेक्ष 31.67 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई है। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा तैयार कार्ययोजना भारत सरकार को प्रेषित की जा चुकी है, समिति द्वारा संज्ञान में लिया गया। कृषि उत्पादन आयुक्त/ अध्यक्ष, राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति श्री दीपक कुमार ने सभी संबंधित विभागों एवं प्राधिकरणों को निर्देशित किया कि निवेशकों की समस्याओं का नियमानुसार त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। बताया गया कि प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (पी.एम्.एफ.एम्. ई.) अंतर्गत उत्तर प्रदेश 26000 परियोजना स्वीकृति के साथ देश में प्रथम स्थान पर, वही जनपद प्रयागराज प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति में कृषि विभाग से सम्बंधित 22%, उद्यान विभाग से सम्बंधित 30%, मत्स्य से सम्बंधित 20%, दुग्ध विकास से सम्बंधित 22%, गन्ना विभाग से सम्बंधित 3% तथा आयुष, आबकारी एवं पशुपालन से सम्बंधित 1-1% परियोजनाओं के सापेक्ष लेटर ऑफ कम्फर्ट निर्गत किये गये हैं। बैठक मे फूड प्रोसेसिंग डिपार्टमेंट सहित अन्य विभागो के अधिकारी व उद्यमी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) ने अमौसी एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा तैयारियों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित लखनऊ ट्रांजिट कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी को लेकर सोमवार को पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अमित कुमार आनन्द ने अमौसी एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस बल एवं एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों के साथ चेकिंग की। इस दौरान एयरपोर्ट परिसर, प्रवेश एवं निकास द्वार, पार्किंग क्षेत्र तथा अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन तलाशी ली गई। साथ ही सुरक्षा में तैनात कर्मियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। पुलिस उपायुक्त ने अधिकारियों के साथ बैठक कर ट्रांजिट कार्यक्रम के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी सुरक्षा एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं पर विशेष नजर रखने, सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री के ट्रांजिट कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।गौरतलब है कि हरदोई में आगामी 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री का कार्यक्रम है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हरदोई जाने के लिए प्रधान मंत्री लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे और यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए हरदोई जाने का प्लान है। वहीं निरीक्षण के दौरान एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा, सरोजनी नगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति, उप निरीक्षक जग प्रसाद सहित सरोजनी नगर थाने के अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान सुनिश्चित किया जा -केशव प्रसाद मौर्य

जनता की समस्याओं पर की जाय त्वरित कार्रवाही, जिम्मेदारी तय करने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय, कालीदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित एवं सम्पूर्ण समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि ह्लहर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान सुनिश्चित किया जाएगाह्व। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए तथा समाधान ऐसा हो कि पीड़ित व्यक्ति को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनता दर्शन के दौरान उप मुख्यमंत्री ने स्वयं आगे बढ़कर फरियादियों से संवाद स्थापित किया और एक-एक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने समस्यिओं के निस्तारण के बावत फतेहपुर, सीतापुर, लखनऊ, मुजफ्फरनगर, शामली, बाराबंकी, लखीमपुर व अम्बेदकरनगर के जिलाधिकारी, प्रयागराज के पुलिस आयुक्त, रामपुर व कन्नौज के पुलिस अधीक्षक व शासन के उच्चाधिकारियो से दूरभाष पर वार्ता कर तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवाद, अवैध कब्जे, उत्पीड़न, दुर्घटनाओं, विद्युत, सड़क निर्माण, आवास आवंटन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए कहा कि किसी भी प्रकरण में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। जहां आवश्यकता हो, वहां कठोर कार्रवाही भी सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण हेतु जवाबदेही तय की जाए और कार्यवाही की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, जिससे शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों की समस्याओं को विशेष प्राथमिकता देते हुए उनके प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनता दर्शन कार्यक्रम में शाहजहांपुर, फरुर्खाबाद, फतेहपुर, लखीमपुर, उन्नाव, प्रयागराज, बदायुं, बागपत, फिरोजाबाद, श्रावस्ती, सीतापुर, इटावा, बस्ती, बलरामपुर, संतकबीरनगर, प्रतापगढ़, इटावा, पीलीभीत, सम्भल, बलरामपुर, औरैया, कानपुर देहात, अम्बेडकरनगर सहारनपुर, कुशीनगर सहित लगभग तीन दर्जन जिलों से आए लोगों ने भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, अभियुक्तों की गिरफ्तारी, सड़क एवं बिजली आदि से संबंधित समस्याओं सहित अनेक समस्यायें रखी, जिन पर उप मुख्यमंत्री ने तत्परता दिखाते हुए अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाही के निर्देश दिए। निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो, जिससे आमजन में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके।

संदिग्ध हालत में कमरे के अन्दर छात्रा का मिला शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में रविवार शाम बीटेक फाइनल ईयर की छात्रा अपने कमरे के अन्दर संदिग्ध हालत में मृत मिली। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अयोध्या के रोनही थाना अंतर्गत कैटरोली निवासी अमर बहादुर अयोध्या में ही हार्डवेयर की दुकान संचालित करते हैं। उनकी 25 वर्षीय बड़ी बेटी वैष्णवी यादव बिजनौर थाना क्षेत्र के सीमा सिटी में पिछले 4 वर्षों से किराए पर रहकर यहां एक कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर की छात्रा थी। पुलिस के मुताबिक वैष्णवी और उसके बगल कमरे में किराए पर रहने वाला उदित एक प्राइवेट कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर वर्क फ्रॉम होम के तहत काम भी कर रहे थे। रविवार शाम उदित ने वैष्णवी को किसी काम के लिए फोन किया। लेकिन कई बार फोन करने के बाद फोन नहीं रिसीव हुआ। जिसके बाद उदित खुद उसके कमरे पर पहुंचा। जहां वैष्णवी कमरे के अंदर पंखे के हुक से दुपट्टे से के सहारे लटकी मिली। इस पर उदित ने आनन-फानन उसे नीचे उतार कर पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने वैष्णवी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में पता चला है कि मृतका की शादी तय हो चुकी थी। लेकिन वह वहां से शादी करने को तैयार नहीं थी। अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसी वजह से उसने ऐसा कदम उठाया है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। मामले की जांच के बाद ही उसकी मौत का सही कारण पता चल सकेगा। उधर मृतका के पिता अमर बहादुर का कहना है कि सूचना के बाद जब वह पहुंचे तो कैष्णवी का शव कमरे में नीचे फर्श पर पड़ा मिला। उन्होंने मामले को संदिग्ध बताते हुए इसकी जांच करने की मांग की है। मृतका के परिवार में उसके पिता अमर बहादुर के अलावा मां आशा देवी और दो छोटी बहनें व दो छोटे भाई हैं।

गंगा एक्सप्रेसवे लोकार्पण को लेकर ट्रैफिक डायवर्जन

28 की शाम से 29 रात तक हाईवे पर भारी वाहनों की एंट्री बंद

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण कार्यक्रम के मद्देनजर यातायात विभाग और प्रशासन ने 28 अप्रैल की शाम से 29 अप्रैल की रात तक लखनऊ-हरदोई हाईवे सहित आसपास के मार्गों पर विशेष ट्रैफिक डायवर्जन लागू करने का निर्णय लिया है। सुरक्षा कारणों से इस अवधि में हाईवे पर भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे। इसी को देखते हुए 28 अप्रैल शाम 6:00 बजे से डायवर्जन लागू हो जाएगा, जो कार्यक्रम समाप्ति के बाद 29 अप्रैल की रात लगभग 12:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान ट्रक, डंपर, डीसीएम और रोडवेज बसों का लखनऊ-हरदोई मार्ग पर प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि निजी चार पहिया वाहनों को छूट दी गई है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर उन्हें भी वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा। यातायात विभाग के अनुसार लखनऊ से हरदोई, उन्नाव और कन्नौज की ओर जाने वाले भारी वाहनों को आगरा एक्सप्रेसवे अथवा लखनऊ-उन्नाव-कन्नौज मार्ग की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वहीं शाहजहांपुर से हरदोई होते हुए लखनऊ आने वाले वाहनों को सीतापुर मार्ग से होकर आने की सलाह दी गई है। इसके अलावा कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सोनिक कट के पास से हरदोई की ओर जाने वाले वाहनों पर भी रोक रहेगी। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि यात्रा के दौरान निर्धारित डायवर्जन का पालन करें और अनावश्यक रूप से हाईवे पर जाने से बचें, ताकि कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से ट्रक में उतरा करंट, ट्रक चालक झुलसा

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव में सोमवार सुबह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक ट्रक में करंट उतर गया। जिससे उसके पहियों से धुआं उठने लगा। घटना में ट्रक चालक मामूली रूप से झुलस गया। जिसे पास के निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। एटा जिले के निवासी चालक नरेंद्र कुमार हरियाणा के झज्जर से क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंपनी के कूलर लादकर बीबीपुर स्थित वीआरपी टेलीमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम जा रहे थे। गांव के रास्ते में ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार काफी नीचे लटके होने के कारण ट्रक उनकी चपेट में आ गया। 11000 वोल्ट की लाइन के संपर्क में आते ही ट्रक में करंट दौड़ गया। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए लाठी-डंडों की मदद से तार को ट्रक से अलग किया और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। बिजली विभाग को सूचना देने के बावजूद कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, हालांकि बाद में विद्युत सप्लाई बंद कर दी गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में झूलते तारों की शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

गाली गलौज कर मारपीट करने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के चंद्रशेखर आजाद नगर कॉलोनी दरोगा खेड़ा निवासी बुद्धन यादव ने अपने पड़ोसी तरूणेन्द्र सिंह उर्फ टीके और उसके बेटे देवांश सहित टीके के कुछ दोस्तों के खिलाफ गाली गलौज कर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित बुद्धन यादव का आरोप है कि रविवार शाम करीब 5 बजे वह अपने घर के बाहर सफाई कर रहे थे। तभी वहाँ पहुंचे पड़ोसी तरुणेन्द्र सिंह उर्फ टीके शराब के नशे में गाली-गलौज करने लगे।पीड़ित का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ धक्का-मुक्की की, जिससे वह गिर पड़े। शोर सुनकर बुद्धन के बेटे सुशील कुमार, आर्यन व दिव्यांश मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने का प्रयास किया। लेकिन आरोप है कि टीके और उसके बेटे देवांश ने मिलकर सभी के साथ मारपीट की। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद आरोपी ने वाहन (यूपी 32 पीवी 6623) से अपने अन्य साथियों को भी बुला लिया और बाद में सभी ने मिलकर पीड़ित व उसके परिवार पर दोबारा हमला कर दिया। जिससे पीड़ित बुद्धन, उसका बेटा सुशील कुमार, आर्यन और दिव्यांश चोटिल हो गए। बाद में पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को देने की बात कही तो सभी आरोपी गाली देते हुए वहां से भाग निकले। वहीं घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल बताया जा रहा है, जिसमें कई लोग मारपीट करते नजर आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित बुद्धन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

खड़े कंटेनर में पीछे से घुसी बाइक दूधिया की मौत

मलिहाबाद के सरावां गांव के पास हुआ हादसा

हादसा

अमन लेखनी समाचार

मृतक सम्स फाइल फोटो

क्षतिग्रस्त अवस्था में बाइक

लखनऊ। दूध बेचकर वापस कर लौट रहे दूधिया की बाइक सड़क किनारे खड़े कंटेनर में पीछे से जा घुसी जिसमें सवार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में दूधिया को सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के नत्था खेड़ा निवासी स्व.नफीस के पुत्र सम्स (16) सोमवार को दुबग्गा दूध मंडी से दूध बेचकर वापस अपने घर लौट रहा था तभी अचानक झपकी आ जाने से मलिहाबाद थाना क्षेत्र के सरावां और नजर नगर गांव के बीच लखनऊ हरदोई हाईवे पर सड़क किनारे खराब खड़े कंटेनर में उसकी बाइक पीछे से जा घुसी जिससे बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया जिसमें युवक के सिर में गंभीर चोट पहुंची वहीं एक पैर भी टूट गया है। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में उसे मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

माता नफीसा ने बताया कि एक साल पूर्व 30 मार्च को पति नफीस को मलिहाबाद के महमूदनगर गांव के पास डाले ने रौंद दिया था। जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी।

मृतक सम्स दूध बेचकर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक के परिवार में दादा माजिद, दादी मकाना, माता नफीसा बड़ा भाई अर्श, छोटा भाई साद है जिनका रो-रो कर बुराहाल है। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक को अचानक झपकी आ जाने से उसकी बाइक पीछे से कंटेनर में जा घुसी जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

यूपी के सभी जिलों में सात दिन चलेगा श्रमिक स्वास्थ्य मेला, गंभीर रोगियों की होगी पहचान

लखनऊ। कामकाजी वर्ग स्वस्थ हो तो आर्थिक पहिया तेज घूमता है। प्रदेश सरकार श्रमिक दिवस पर एक मई को सभी जिलों में सप्ताहभर का स्वास्थ्य मेला आयोजित करेगी, जिसकी शुरूआत 28 अप्रैल से हो जाएगी।

उत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र–3

विषय – निविदा प्रपत्र संख्याः 2026 – ए.एम.वी. – सी एंड डब्लू ईनिविदा – 13 का शुद्धि पत्र।

सन्दर्भ – निविदा सूचना संख्याः 2026 – ए.एम.वी. – सी एंड डब्लू ईनिविदा – 13 दिनांक : 20.03.2026

कार्य का नाम – डिजाइन डेवलपमेंट सप्लाई इंस्टालेशन कमीशनिंग एंड टेस्टिंग ऑफ टॉर्क एप्लीकेशन एंड डाटा एक्वीजीशन सिस्टम फॉर कैप्चरिंग टोरकिंग डाटा ऑफ वेरियस सिस्टम्स ऑफ एल०एच०बी० कोचेस दूरिंग शॉप शेडूल (एस–। एस–।। एस–।।।)।

उपरोक्त निविदा के सन्दर्भ में निविदा प्रपत्र में निम्नलिखित परिवर्तन किया गया है।

S.N.	Description	Existing Date	Modified Date
1	Tender Closing Date & Time	28.04.2026 15:00	06.05.2026 15:00

अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी ।

शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर upload कर दिया गया है।

संख्या : 2026–ए.एम.वी.– सी एंड डब्लू ईनिविदा–13
दिनांक : 27.04.2026 **1408/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षेप

अनियंत्रित बाइक खंती में पलटी दो युवक घायल

उन्नाव। संडीला मार्ग पर एक बाइक अनियंत्रित होकर खंती में पलट गई, जिससे उस पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना आसीवन थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायलों को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया। घायलों की पहचान सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के मलहद खेड़ा निवासी विपिन (22) पुत्र सुरेंद्र और माखी थाना क्षेत्र के चकलवंशी निवासी अनुज (25) पुत्र शिव मोहन के रूप में हुई है। दोनों औरास थाना क्षेत्र के कस्बा औरास में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वापस घर लौटते समय, आसीवन थाना क्षेत्र के उन्नाव-सण्डीला मार्ग पर स्थित गांव डाल खेड़ा के समीप उनकी बाइक अनियंत्रित होकर खंती में जा गिरी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से चोटिल हो गए। मियागंज सीएचसी में डॉ. पंकज वर्मा द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है।

होमगार्ड की परीक्षा देने जा रहे तीन युवक मार्ग दुर्घटना में घायल

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ये सभी कानपुर में होमगार्ड की परीक्षा देने जा रहे थे। घायलों की पहचान मुजफ्फर अली पुत्र मुकद्दर अली (निवासी दुबग्गा ऐरा), मतीन खान पुत्र फैयाज अली (बालागंज मरीमाता मंदिर) और चालक फूल मियां पुत्र सलीमुद्दीन के रूप में हुई है। तीनों एक साथ कानपुर सिविल लाइंस के पास होमगार्ड का पेपर देने जा रहे थे। यह दुर्घटना फरहादपुर पुलिया के पास हुई। तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित होकर पुलिया के पास पलट गई। घटना स्थल पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने तत्काल घायलों को हसनगंज सीएचसी में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक के भाई ने वाहन चालक पर दर्ज कराया मुकदमा

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के बिहार-बक्सर मार्ग पर एक माह पूर्व हुए सड़क हादसे में घायल युवक का पैर काटना पड़ा। मामले में पीड़ित भाई की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गाँव जप्सरा निवासी सलमेन्द्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 31 मार्च 2026 की रात करीब 8:30 बजे उनका भाई सत्येंद्र सिंह उर्फ रामू सिंह अपनी बाइक से घर वापस आ रहा था। जैसे ही वह मुडियनखेड़ा स्थित चंद्रिका साइकिल वर्क्स के पास पहुंचा, पीछे से आ रहे ट्रक ट्रेलर के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए पहले पीएचसी सुमेरपुर और फिर जिला अस्पताल उन्नाव ले जाया गया। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे एम्स रायबरेली रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसका दायां पैर काटना पड़ा। पीड़ित अभी भी अस्पताल में भर्ती है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है व मामले की जांच की जा रही है।

जन्मदिन की खुशियां मातम में बदली अनियंत्रित होकर पलटी कार, एक की मौत, चार घायल

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अंतर्गत औरास-मोहन मार्ग पर गहरावां मोड़ के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जन्मदिन समारोह से वापस लौट रहे युवकों की तेज रफ्तार औरा कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक गहरे गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में कार सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके चार अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लखनऊ के मलिहाबाद निवासी शिवम (24) अपनी औरा कार (नंबर T0924PB4286F) से अपने रिश्तेदार रोहित (23) और मित्र दीपक के साथ औरास के मैनी भावा खेड़ा गांव आए थे। यहाँ वे कृपा शंकर की पुत्री तनु के 17वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। रात करीब 10:30 बजे कार्यक्रम समाप्त होने के बाद, शिवम अपने साथियों और औरास क्षेत्र के दो अन्य परिचितों विकास और रवि के साथ वापस मलिहाबाद लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी। जैसे ही कार गहरावां मोड़ के समीप पहुंची, चालक शिवम नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जाकर पलट गई। कार के पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर औरास थाना पुलिस और एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास पहुंचाया। यहाँ प्राथमिक परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने रोहित (23) पुत्र शिवकुमार, निवासी खरता, मलिहाबाद को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल शिवम, विकास, दीपक और रवि का उपचार अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई होमगार्ड भर्ती परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। होमगार्ड भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच जारी है। रविवार को जिले के 9 परीक्षा केंद्रों पर लिखित परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई, जबकि सोमवार को भी यह दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रशासन ने परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चल रही है। रविवार को प्रत्येक पाली में 2448 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था थी, जिससे कुल 4896 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। प्रशासन को उम्मीद है कि सोमवार को भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और एसएसपी जयप्रकाश सिंह के निर्देशन में परीक्षा को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। शहर के प्रमुख विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। शुक्लागंज स्थित ओपीजेडी विद्यालय सहित सभी केंद्रों पर पेयजल, शौचालय और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर प्रत्येक केंद्र पर जोनल, सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। केंद्रों के अंदर और बाहर पर्याप्त पुलिस बल मौजूद है, जो लगातार निगरानी कर रहा है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए सघन चेकिंग की जा रही है और निर्धारित समय के बाद प्रवेश प्रतिबंधित है। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। इसके अतिरिक्त, उड़नदस्ते भी सक्रिय हैं और लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। स्थानीय थाना पुलिस को अपने-अपने क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचें और सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सके।

महिला ने अपने ही जेठ पर लगाए कई गंभीर आरोप

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र की नगर पंचायत निवासी एक महिला ने अपने ही जेठ पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने जेठ पर दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी तथा घर का सामान चोरी कराने जैसे आरोप लगाए हैं।

महिला के अनुसार उसका पति पंजाब में निजी कार्य करता है और वह वर्ष 2018 से अपने पैतृक ससुराल के मकान में रह रही थी। आरोप है कि वर्ष 2022 में होली के दौरान उसका जेठ घर आया और उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने चाकू गर्दन पर रखकर जान से मारने की धमकी दी और उसके बाद लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। इतना ही नहीं, आरोपी ने घटना की जानकारी किसी को देने पर बच्चों को जान से मारने की धमकी भी दी।

डर के कारण पीड़िता कुछ समय बाद अपने पति के पास पटियाला चली गई। पीड़िता ने बताया कि 23 अप्रैल 2026 को जब वह वापस अपने घर लौटी तो घर का ताला टूटा मिला और अलमारी में रखे जेवर व अन्य सामान गायब थे। इस दौरान उसके हिस्से के मकान में कुछ लोग किराए पर रह रहे थे।

महिला का आरोप है कि उसके घर लौटने की जानकारी मिलते ही जेठ, जेठानी व उनके बेटे-बेटी मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसका जेठ एक एनजीओ संचालित करता है, जिसकी आड़ में सरकारी धन का दुरुपयोग भी किया गया है।

दो बाइकों की आमने सामने जोरदार भिंडत, तीन युवकों की मौत, महिला की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र के लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर रविवार देर शाम एक सड़क हादसे में दंपती समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में घायल सभी लोगों को अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया। सोमवार को इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव पीखी निवासी रहीसुद्दीन 47 वर्ष अपनी पत्नी सादिया 45 वर्ष के साथ बाइक से एक अंतिम संस्कार में शामिल होने गांव आए थे। रहीसुद्दीन बांगरमऊ क्षेत्र के रूरी रसूलपुर स्थित सीएचसी में वार्ड बॉय के पद पर कार्यरत थे। शाम को ड्यूटी पर लौटते समय फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में शारदा नहर चौधरी खेड़ा पुल के आगे उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। दूसरी बाइक पर हरदोई के बालामऊ निवासी शिवमोहन द्विवेदी 30 वर्ष अपने साथी शोभित 28 वर्ष के साथ सवार थे। शोभित बसोखा (सहजनी), थाना सदर क्षेत्र के निवासी थे। दोनों युवक शोभित के ननिहाल जा रहे थे। इसी दौरान दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। रहीसुद्दीन और उनकी पत्नी सादिया को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां डॉ. पंकज वर्मा ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। वहीं, शिवमोहन द्विवेदी और शोभित को सफीपुर सीएचसी से जिला अस्पताल उन्नाव भेजा गया। सोमवार को इलाज के दौरान लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में रहीसुद्दीन की मौत हो गई। वहीं, शिवमोहन द्विवेदी और शोभित ने जिला अस्पताल उन्नाव में दम तोड़ दिया। हादसे में घायल सादिया की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

उत्तीर्ण हुए सभी विद्यार्थियों का समाजसेवी व पूर्व प्रधान ने किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत उतरौरा में गाँव के सभी यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट एवं हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण हुए सभी छात्र-छात्राओं में अंश मिश्रा, रचित मौर्य, अंशु शुक्ला, प्रिया सिंह ,चाहत वर्मा, साजन मौर्य ,प्रथा सिंह, अनामिका शर्मा, अंशिका मिश्रा ,अनामिका वर्मा को पूर्व प्रधान व समाजसेवी लक्ष्मी चन्द द्विवेदी ने माला पहना कर मुह मीठा कराया साथ ही पेन भेट कर स्वागत सम्मान किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस मौके पर भाजपा मंडल उपाध्यक्ष आदित्य द्विवेदी, जयचंद द्विवेदी अभिषेक द्विवेदी ,विनय शुक्ला अंजनी द्विवेदी, योगेंद्र द्विवेदी रामजी द्विवेदी, कन्हैया मिश्रा,सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे

सड़क किनारे पड़ा मिला अज्ञात युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिला। शुक्लागंज से करीब आठ किलोमीटर दूर नरबीजपुर गांव जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे लगभग 35 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रथम दृष्टया यह नृशंस हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने सुबह करीब 10:30 बजे राहगीरों ने सड़क किनारे शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने निरीक्षण के दौरान पाया कि मृतक के चेहरे पर तेजाब डाला गया था। जिससे चेहरा बुरी तरह झुलस गया था और पहचान करना मुश्किल हो गया। आशंका है कि हत्यारों ने पहचान छिपाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया।

शव पर गोली लगने के निशान भी मिले हैं, साथ ही धारदार हथियार से हमले के संकेत भी हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस इसे बेहद क्रूर और सुनियोजित हत्या मान रही है। घटनास्थल की स्थिति से यह भी अंदेशा है कि हत्या कहीं और करने के बाद शव को यहां लाकर फेंका गया है। सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिलने के कारण मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

गंगाघाट पुलिस ने बताया कि शव की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के गांवों में पूछताछ की जा रही है और गुमशुदगी के मामलों का भी मिलान किया जा रहा है। साथ ही घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल, मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है।

गाय को राष्ट्र माता घोषित करने को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। गाय को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए साधु संतों द्वारा अभियान चलाया जा रहा है।इसी के तहत अभियान प्रमुख बनाए गए भाजपा नेता संजय शुक्ला ने एक सैकड़ा लोगों के साथ सोमवार को तहसील पहुंचकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार मनीष द्विवेदी को सौंपा।संजय शुक्ला ने बताया कि गाय को हम अपनी माता मानते है।गाय हमारे लिए पूज्यनीय है।हमारे देश में राष्ट्रीय पशु,राष्टीय पक्षी आदि है।इसी तरह हम सभी गाय को राष्ट्र माता घोषित किए जाने को लेकर मांग कर रहे है।इसी के चलते पूरे देश,प्रदेश,जिले,तहसील,ब्लाकों में पैदल यात्रा कर ज्ञापन के जरिए आवाहन किया जा रहा है।इसके बाद देश व्यापी प्रदर्शन करते हुए दिल्ली तक कूच की जाएगी।इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र लोधी, गोरेलाल,आशीष सिंह,विजय सिंह, श्रीप्रकाश,मनोज राजपूत,संजय गुप्ता,शैलेंद्र,गौरवेंद्र अवस्थी,मनोज कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गौरव विभूतियों का मनाया जाएगा सादर स्मरण वंदन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के बक्सर में 28 व 29 अप्रैल को उन्नाव जनपद की गौरव-विभूतियों--पं० देवीदत्त शुक्ल एवं पं० रमादत्त शुक्ल का होगा सादर स्मरण-वन्दन मनाया जाएगा।उन्नाव की धरा के गौरव सम्पादकाचार्य पं० देवीदत्त शुक्ल की १३९ वीं जयन्ती एवं उनके सुयोग्य पुत्र पं० रमादत्त शुक्ल की १०१ वीं जयन्ती के अवसर पर दिनांक २८ एवं २९ अप्रैल, २०२६ को यशस्वी पिता-पुत्र का भावपूर्ण स्मरण-वन्दन किया जाएगा।इस क्रम में दिनांक २८ अप्रैल को प्रातः १०.३० बजे बक्सर स्थित श्री चण्डिका जी के मन्दिर में पूजन-स्तवन होगा। तदुपरान्त मध्याह्न १२. ३० बजे ऊँचगाँव स्थित हरिबंश लाल शुक्ल सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कालेज में पं० देवीदत्त शुक्ल स्मृति गोष्ठी का आयोजन होगा।दिनांक २९ अप्रैल, २०२६ को प्रातःकाल पं० देवीदत्त शुक्ल जी के बक्सर ग्राम स्थित पैतृक आवास पर भगवान्-श्री भैरव जी के मन्दिर का स्थापना-दिवस आयोजन होगा। तदुपरान्त पं० रमादत्त शुक्ल जी की १०१वीं जयन्ती पर उनके आध्यात्मिक-साहित्यिक अवदान का स्मरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यशस्वी पिता-पुत्र का जन्म बक्सर ग्राम में ही हुआ था। दोनों ने ही अपने पूर्वजों से प्राप्त आध्यात्मिक-साहित्यिक परम्परा को जीवन-पर्यन्त आगे बढ़ाया। पं० देवीदत्त शुक्ल जी को आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी की देखरेख में साहित्य-पत्रकारिता का शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ।उन्होंने 'सरस्वती' पत्रिका का पचीस वर्षों से अधिक समय तक सम्पादन कर इतिहास रचा था। इसके साथ ही वे प्रसिद्ध बालोपयोगी पत्रिका 'बालसखा' के भी कई वर्षों तक सम्पादक रहे।शुक्ल जी तन्त्र-शास्त्र के उद्भट विद्वान्‌ थे।उनकी प्रेरणा से 'चण्डी' पत्रिका का सूत्रपात हुआ। पं० रमादत्त शुक्ल जी भी 'सरस्वती', 'चाँद', 'चण्डी', 'सम्पादक की वाणी' आदि पत्रिकाओं के माध्यम से साहित्य-पत्रकारिता की अलख जगाते रहे।

विद्युत पोल पर चढ़कर फाल्ट ठीक कर रहा युवक गिरा नीचे हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर अन्तर्गत एक युवक की बिजली के खम्भे से गिरकर मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार राजापुर -पिपरहा गाँव निवासी राजेश पुत्र शिवकुमार उम्र 23 मजदूरी के साथ निजी रूप से बिजली का काम भी करने लगा था। दयालपुर-पिपरहा के बीच लगे 11 हजार लाइन के डबल पोल के खम्भे में तार टूटने की जानकारी गाँव वालों द्वारा राजेश को दी गयी जिसकी सूचना पर पहुँचे राजेश की लाइन मरम्मत करते समय बिजली की चपेट में आ जाने से खंभे से नीचे आ गिरा जिससे उसके सर पर गभीर चोट आ गयी। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सौ बेड अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।मृतक अविवाहित होने के साथ अपने घर की अकेली संतान था। दो बहने हैं। स्थानीय लोगों को माने तो राजेश बिजली लाइन का काम जानता था।संविदा कर्मी उससे प्राइवेट रूप से काम भी कराते थे। स्थानीय लोगों की माने तो मृतक 11 हजार लाइन में काम कर रहा था बिजली आ जाने से घटना हो गई। आक्रोशित लोगों ने विद्युत विभाग से मुआवजे की मांग की है। एसडीओ पी सी यादव ने कहा कि घटना की जानकारी कर रहे हैं।

एसएसपी ने उपनिरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में किया फेर बदल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में उपनिरीक्षकों के तबादले किए गए हैं। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने चार उपनिरीक्षकों को नई तैनाती दी है, जिससे विभिन्न थानों और चौकियों की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाया जा सके। जारी सूची के अनुसार, उपनिरीक्षक धर्मराज सिंह को पुलिस लाइन से स्थानांतरित कर थाना बांगरमऊ का चौकी प्रभारी गंजमुरादाबाद बनाया गया है। वहीं, उपनिरीक्षक विजय चतुर्वेदी को पुलिस लाइन से थाना आसीवन की हैदराबाद चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, उपनिरीक्षक अशोक कुमार सोनकर को थाना बांगरमऊ से स्थानांतरित कर थाना आसीवन की रसूलाबाद चौकी का प्रभारी बनाया गया है। उपनिरीक्षक सुधीर कुमार को थाना गंगाघाट से हटाकर हाजीपुर चौकी, थाना गंगाघाट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस विभाग द्वारा किए गए इन तबादलों को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, समय-समय पर ऐसे फेरबदल से कार्य में पारदर्शिता आती है और क्षेत्र में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलती है। गौरतलब है कि पूर्व में हाजीपुर चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर किया गया था, गंजमुरादाबाद चौकी इंचार्ज को दूसरी चौकी में स्थानांतरित किया गया था, और रसूलाबाद चौकी इंचार्ज का निरीक्षक पद पर प्रमोशन हो गया था। इन कारणों से ये तीनों चौकियां खाली चल रही थीं। नई तैनाती मिलने के बाद, संबंधित उपनिरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से अपने-अपने कार्यस्थल पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण, जनसुनवाई और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने को कहा गया है।

भीषण गर्मी का प्रकोप जारी 42 डिग्री तक पहुंचा तापमान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। तेज धूप और लू के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है, जिसका सीधा असर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दिखा। जिला अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार सुबह ओपीडी खुलते ही मरीजों की लंबी कतारें लग गईं। जानकारी के अनुसार, एक ही दिन में ओपीडी में 900 से अधिक मरीजों ने पंजीकरण कराया। इनमें से अधिकांश मरीज बुखार, उल्टी, दस्त और डायरिया जैसी समस्याओं से पीड़ित थे। डॉक्टरों के मुताबिक, तेज गर्मी और दूषित खानपान के कारण इन बीमारियों के मामलों में तेजी आई है। मुर्तजा नगर के मरीज सुनील ने बताया कि वे ऑपरेशन के लिए आए थे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें दो माह बाद बुलाया है।जिला अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. कौशलेंद्र और डॉ. शोभित अग्निहोत्री ने मरीजों का उपचार किया और उन्हें आवश्यक सलाह दी। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि वे गर्मी में विशेष सावधानी बरतें, अधिक से अधिक पानी पिएं और बाहर निकलते समय अपने सिर को ढककर रखें। इमरजेंसी वार्ड में भी स्थिति चिंताजनक रही। यहां भी दिनभर मरीजों का आना-जाना लगा रहा और कई गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार दिया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, गर्मी के कारण मरीजों की संख्या में अचानक वृद्धि से स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ा है, लेकिन सभी मरीजों को बेहतर इलाज प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है।कुल मिलाकर, बढ़ती गर्मी ने जहां आम जनजीवन को प्रभावित किया है। वहीं जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के सामने भी एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना को देखते हुए लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

सम्पादकीय

आम आदमी पार्टी का सबसे कठिन दौर

आम आदमी पार्टी (आप) का वर्तमान संकट केवल कुछ नेताओं के जाने भर की घटना नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक प्रयोग की परीक्षा है, जिसने कभी व्यवस्था परिवर्तन का दावा किया था। आप का यह दौर इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि सवाल अब व्यक्तियों से आगे बढ़कर नेतृत्व, विचारधारा और संगठनात्मक ढांचे पर उठने लगे हैं। अब जो चल रहा है वह शीर्ष नेतृत्व की विफलता को दर्शाता है। पार्टी गठन के कुछ समय बाद ही उसके संस्थापक सदस्यों का पार्टी छोड़ना शुरू हो गया था। सबसे पहले पूर्व आईपीएस किरण बेदी पार्टी से अलग हुई, जो पार्टी का बड़ा चेहरा थी। इसके बाद योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, कुमार विश्वास, मयंक गांधी, आशुतोष, अंजलि दमानिया और अब राघव चड्ढा समेत पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों का पार्टी छोड़ना एक बड़े बिखराव का संकेत है। इनके अलावा भी कई नाम तो लोगों की स्मृतियों से भी गायब हो चुके हैं। सात सांसदों का एक साथ पार्टी छोड़ना कोई बड़ी बात नहीं हैं। राघव चड्ढा और स्वाति मालिवाल को छोड़ दें तो बाकी पांच राज्यसभा सांसदों संदीप पाठक, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी और राजेंदर गुप्ता को किस आधार पर सांसद बनाया गया, इसका जवाब तो खुद पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के पास भी नहीं होगा। अब इनके भाजपा में जाने पर आप दावा कर रही है कि इन लोगों ने पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात किया है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब पंजाब के लोगों ने इन्हें चुना ही नहीं तो विश्वासघात कैसे हुआ। इन्हें तो आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चुना है। इस घटनाक्रम ने साबित कर दिया है कि आप में बिखराव का दौर शुरू हो चुका है। केजरीवाल का जो आकर्षण 12 साल पहले था, वह अब नहीं रहा। खासतौर पर केजरीवाल अब उन लोगों से ही मिल गए, जिन्हें वह अपनी राजनीति के शुरुआती दौर में कोसते थे। जिस खास मकसद के लिए आप का गठन हुआ, अब वह कहीं नहीं दिखता। आप अपने नाम के मुताबिक आम सी पार्टी बनकर रह गई है। यदि वास्तव में राज्यसभा के कई सांसद एक साथ पार्टी छोड़ने का निर्णय लेते हैं, तो यह संगठनात्मक असंतोष की गहराई को दर्शाता है। यह भी समझना जरूरी है कि आम आदमी पार्टी की सफलता मुख्यतः दिल्ली और पंजाब तक सीमित रही है। राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की जो महत्वाकांक्षा थी, वह जमीन पर साकार नहीं हो सकी। गुजरात, गोवा, उत्तराखंड जैसे राज्यों में पार्टी ने प्रयास जरूर किए, लेकिन वह स्थायी जनाधार बनाने में विफल रही। इसका कारण केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि स्थानीय नेतृत्व के अभाव और रणनीतिक अस्थिरता भी है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अरविंद केजरीवाल की व्यक्तिगत छवि, जो कभी सादगी और संघर्ष का प्रतीक थी, अब वैसी नहीं रही। सत्ता में आने के बाद जिस तरह के समझौते और राजनीतिक व्यवहार देखने को मिले, उन्होंने उस नैतिक बढ़त को कमजोर किया है, जो पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी थी। अब जरूरी है कि आप का नेतृत्व आत्ममंथन करे, संगठन को विकेंद्रीकृत बनाए और उन मूल सिद्धांतों की ओर लौटे, जिनके आधार पर यह आंदोलन खड़ा हुआ था। अरविंद केजरीवाल को यह समझना होगा कि करिश्मा और केंद्रीकरण के दम पर राजनीति लंबे समय तक नहीं चलती। यदि पार्टी को बचाना है तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पारदर्शिता, आंतरिक लोकतंत्र और जवाबदेही की ओर लौटना ही होगा। अन्यथा, यह संकट एक चेतावनी नहीं बल्कि अंत की शुरुआत साबित हो सकता है।

पेसा आदिवासियों के लिए मृगतृष्णा है

जिरहनामा
कनक तिवारी

आजादी मिलने के बाद से संविधान रचने में एक कठिनाई आई कि करीब आठ से दस प्रतिशत देश की आदिवासी आबादी के लिए संविधान को जस का तस लागू नहीं किया जा सका। इन इलाकों की बनावट ऐसी है जहां पूरे संविधान की रचना के लिए अलग से सोचना पड़ा। यही कारण है संविधान में पांचवीं और छठी अनुसूची में देश के आदिवासी इलाकों के लिए अलग से प्रावधान किए गए। पूर्वोत्तर की छठी अनुसूची वहां के आदिवासियों को काफी अधिकार देती है लेकिन भारत के शेष भाग के जिन इलाकों में पांचवीं अनुसूची का बोलबाला है।

जम्हूरियत के सभी देश देख रहे हैं भारत में इन दिनों लोकतंत्र का कचूमर भी निकाला जा रहा है। हर मजबूत संस्था, व्यक्ति या समूह अपने से कमतर अधिकारों वाले व्यक्ति समूहों को दोयम दर्जे का नागरिक समझते हुए उन्हें एक तरह से अर्ध मनुष्य की तरह सलूक कर रहा है। किताबी ज्ञान स्कूली बच्चों के लिए पढ़ने में अच्छा है। गोदी मीडिया के पत्रकारों की तोतारंटत है कि भीनी भीनी सुगंध है कि भारत दुनिया में सबसे बहुसंख्यक लोकतंत्र है। भारत में जो संविधान लागू है। वह अविचल है, अडिग है। उसमें संशोधन भी जरूरत के मुताबिक होता रहता है। इसके बरक्स जमीनी हकीकत यह है कि बाराएनाम लोकतंत्र केवल में ज्यादा है। व्याख्यान में है। सरकारी फाइलों में बचाव के लिए है। कुल मिलाकर जनता की समझ के धुंधले आसमान में कभी कभार दिखाई भी देता है। वरना वह गरीब आदमी के लिए आंख की किरकिरी है।

आजादी मिलने के बाद से संविधान रचने में एक कठिनाई आई कि करीब आठ से दस प्रतिशत देश की आदिवासी आबादी के लिए संविधान को जस का तस लागू नहीं किया जा सका। इन इलाकों की बनावट ऐसी है जहां पूरे संविधान की रचना के लिए अलग से सोचना पड़ा। यही कारण है संविधान में पांचवीं और छठी अनुसूची में देश के आदिवासी इलाकों के लिए अलग से प्रावधान किए गए। पूर्वोत्तर की छठी अनुसूची वहां के आदिवासियों को काफी अधिकार देती है लेकिन भारत के शेष भाग के जिन इलाकों में पांचवीं अनुसूची का बोलबाला है। वहां आज भी आदिवासी अविकसित होकर निवासियों की तरह जीने को आंशिक रूप से मजबूर हैं। संविधान निर्माताओं ने एक बात और नहीं सोची थी कि इन आदिवासी इलाकों में कभी जल, जंगल और जमीन की डकैती हो सकेगी। सरकारें अधिनियम बनाएंगी और हर वनोत्पाद पर सरकारी नियंत्रण हो जाएगा। फिर दलाली की भूमिका वाले अरबपति, खरबपति, कॉरपोरेट घरानों को उनकी मिल्कियत बनाकर सौंप दिया जाएगा। इसका एक कारण यह भी था कि संविधान सभा ने गांधी की सिफारिश के मुताबिक पंचायत राज लागू करने से इंकार कर दिया था। हालांकि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में इस पर पुनर्विचार हुआ और शहरी तथा पंचायती संस्थाओं को अहमियत दी गई।

आदिवासियों और जनता को भी भ्रम रहा है। फिर भी आदिवासियों के बार बार आग्रह के कारण संसद में 24 दिसम्बर 1996 को पंचायत राज उपबंध अधिनियम तथा अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार अधिनियम बना। वह पेसा के लोकप्रिय नाम से आदिवासियों से उसी तरह छल कर रहा है जैसा कभी अंगरेजों ने किया होगा। नेताओं को भ्रम है कि पेसा के तहत संसद में आदिवासियों की सुरक्षा के कई प्रबंध किए गए हैं। दरअसल इसे रचने के पहले सांसद दिलीप सिंह भूरिया की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई थी। उस कमेटी ने जानदार और महत्वपूर्ण सिफारिशें कीं। उनसे आदिवासियों का जीवन और उनकी गरिमा सुरक्षित रह सकती थी। दिलीप सिंह भूरिया समिति का सबसे

महत्वपूर्ण तर्क था कि उनके इलाकों में आदिवासियों का कुदरती संसाधनों पर नियंत्रण और कमांड नैसर्गिक अधिकार है। यह एक ऐतिहासिक तथ्य भी रहा है। सभी सिफारिशें संसद ने कबूल नहीं कीं। भूरिया समिति ने कहा था कि पंचायती संस्था का ढांचा भी इसी तरह बनाया जाए कि उनमें आदिवासियों के जीवन और संगठन, सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों और सामुदायिक भावना को शामिल किया जाए। फिर भी केन्द्र सरकार ने इसे कारगर नहीं किया। अनुच्छेद 39 संविधान में कहता रहा कि संपत्ति के अधिकार का संकेन्द्रण नहीं होगा लेकिन उसका मजाक उड़ाया गया। हकीकत यह है कि पेसा के तहत ग्रामसभा कोई शक्तिशाली संस्था नहीं है। उसे बहुत सीमित अधिकार हैं और उनको भी आसानी से समयानुसार विलोपित भी कर लिया जाता है। कलेक्टर और कप्तान साहब तो बड़े अधिकारी हैं। आदिवासी इलाकों में जंगल, आबकारी, राजस्व, खनिज विभाग के छोटे छोटे अधिकारी भी माइ लॉर्ड होते हैं।

यह दिलचस्प रहा है कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेसी सरकार के उपमुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री टी. एस. सिंहदेव बस्तर सहित कई इलाकों में धमक के साथ कहते रहे कि पेसा के तहत जो भी अधिकार हैं। वे आदिवासी इलाकों की ग्राम पंचायतों को सौंपे जाने की सरकार की मुहिम है। टांय टांय फिस्स तो फिर हुआ कि शक्तिशाली पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के इशारे पर कहा जाता है कि संबंधित जिले के कलेक्टर और जिलों के पुलिस अधीक्षक पंचायत मंत्री से मिले तक नहीं। फिर क्या खाक क्रांति होती। आदिवासी विधायक और सांसद केवल मिन्नतें करते हैं। हाथ जोड़ते हैं। चिल्लपों मचाते हैं लेकिन पांचवीं अनुसूची में गवर्नरों को इतने अधिकार हैं कि वह केवल उनसे बातचीत करे। सुने और पढ़े और फिर करे केवल अपने मन की। क्या इसे संसदीय अधिकार कहा जा सकता है? सारी ताकत इस बात पर अटकती है कि ग्राम सभा की मंजूरी के बिना कोई औद्योगिक निर्माण नहीं होगा। देश के लोगों को अब तो सुप्रीम कोर्ट पर भी भरोसा पूरा नहीं है। लेकिन कभी तो था। सुप्रीम कोर्ट का ऐसा कोई फैसला नहीं है जो पेसा कानून की इस तरह समीक्षा करे कि जल, जंगल, जमीन में जितनी प्राकृतिक संपदा है। वह सब उन आदिवासी इलाकों की है। जो वहां रहते हैं। उनकी मर्जी के बिना न तो उसे लिया जा सकता है और न ही वहां औद्योगीकरण हो सकता है। फुसलाने के नाम पर सही है कि जहां आदिवासियों की परंपरा के मुताबिक कोई मंदिर या पूजा स्थल है। वहां उनकी बात जरूर सुनी जाए।

इस देश के आदिवासी को तो अब अपना अस्तित्व खत्म होने की कगार पर लगने लगा है। पूरा बस्तर लुट जाने के खतरे में है। भारत में आदिवासियों की सबसे बड़ी आबादी बस्तर और छत्तीसगढ़ में है। क्या यह इलाका अब बिना पेड़ों, खनिज और अन्य फसलों के साथ रहेगा? ऐसा खतरा लगता रहा है। तब आदिवासी कहां रहेंगे। क्या वे बचेंगे। ऐसा खतरा अब दुनिया में सभी लोगों के सामने भी खड़ा हो गया है। जब तक आदिवासियों के प्रतिनिधियों की सलाहकार समिति को अधिकार नहीं मिलेंगे। जिनकी मुमानियत गवर्नर और राज्य सरकार नहीं कर सकें। बल्कि केन्द्र सरकार भी नहीं कर सके। तब ही देश में आदिवासी बचेगा। वरना पेसा कानून तो फकत मर्सिया गा रहा है। उसे जन्मदिन की बधाई या विवाह के मांगलिक कार्य के संगीत की तरह नहीं समझा जा सकता। आदिवासी भी भ्रम में हैं क्योंकि देश के बुद्धिजीवी और पत्रकार भी ठीक से संसूचित नहीं करते हैं। सरकार में तो शातिर नौकशाह हैं। उनकी पीठ पर वरद हस्त रखने वाले कॉरपोरेटियों की ताकत है। लोकतंत्र बेचारा क्या करेगा? बस किताबों की जिल्द में रहेगा। बच्चे उसे पढ़ते रहेंगे। परीक्षा में पास होंगे लेकिन उनके जीवन को समझने में इतिहास ही असफल होता रहेगा।

सारा संसार

कनिपकम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुपति से लगभग 75 किलोमीटर दूरी पर स्थित भारत के प्राचीन गणेश मंदिर में से एक है, जो अपनी ऐतिहासिक संरचना और आंतरिक डिजाइन के लिए जाना जाता है। भगवान गणेश जी को समर्पित कनिपकम विनायक मंदिर का निर्माण चोल राजा कुलोथिंग्स चोल प्रथम ने 11वीं शताब्दी में लोगों के बीच विवाद को सुलझाने और बुराई को खत्म करने के लिए किया था।

जानिए कैसे चेतना को विस्तृत करता है योग?

संकलित
दर्शन

योग के आठ अंग हैं और उनमें से मात्र एक अंग है शारीरिक मुद्राएं या आसन। योग मात्र व्यायाम नहीं है, इसमें मुख्य बात मन की समरसता को बनाए रखना है। जब आप कोई भी कार्य सजगता से करते हैं, तब आप इस बात के प्रति सजग होते हैं कि आप क्या कह रहे हैं। यही आपको योगी बनाता है। योग के प्रतिपादक पतंजलि ने बताया है कि योग का उद्देश्य दुख को आने से पहले ही दूर कर देना है। लालच, क्रोध, जलन, घृणा, निराशा आदि नकारात्मक भावनाओं को योग से मिटाया जा सकता है। जब आप खुश होते हैं, तब आप अपने भीतर एक विस्तार की भावना का अनुभव करते हैं। विफलता या अपमान की स्थिति में लगता है कि हमारे भीतर कुछ सिकुड़ गया है। इस पर ध्यान देना ही योग है, जिसका हमारे खुश हो जाने पर विस्तार होता है और जो हमारे दुखी हो जाने पर सिकुड़ जाता है। मन की इस स्थिति को परिवर्तित करने का रहस्य योग में है। यह आपको स्वतंत्र बनाता है। अपनी ही भावनाओं के द्वारा पीड़ित होने के बजाय आप जिस समय जैसा महसूस करना चाहते हैं, योग उसके लिए आपको शक्ति प्रदान करता है। योग निश्चित रूप से आपको अधिक जिम्मेदार बनाता है, क्योंकि योग से आपके भीतर ऊर्जा एवं उत्साह उत्पन्न होता है। आप तब जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते हैं, जब आप थके हुए और तनावग्रस्त होते हैं। यदि आपने अपनी थकान और तनाव को संभाल लिया, तब आप निश्चित रूप से अधिक जिम्मेदारी उठाएंगे और आपके भीतर हल्कापन भी बना रहेगा।

योजना बनाकर किए काम में सफलता जरूर मिलती है

संकलित
प्रेरणा

रमायण में देवी सीता का हरण हो गया था। श्रीराम और लक्ष्मण सीता को खोज रहे थे। राम-लक्ष्मण उस जंगल में पहुंच गए, जहां सुग्रीव बाली की डर से छिपे हुए थे। सुग्रीव के साथ ही हनुमान जी भी थे। सुग्रीव ने दो राजकुमारों को देखा तो वे डर गए। सुग्रीव ने सोचा कि बाली ने मुझे मारने के लिए इन्हें यहां भेजा है। सुग्रीव ने हनुमान जी से कहा कि आप देखिए वहां दो राजकुमार दिख रहे हैं, वहां जाकर मालूम करो कि कहीं ये हमारे शत्रु तो नहीं हैं। अगर वे शत्रु हैं तो वहीं से इशारा कर देना, हम यहां से कहीं और भाग जाएंगे। अगर वे मित्र हैं तो वहीं से इशारा करना, हम यहीं रुक जाएंगे। हनुमान जी सुग्रीव की आज्ञा पाते ही उन दोनों राजकुमारों के सामने पहुंच गए। हनुमान जी वेष बदलकर गए थे। हनुमान जी ने बुद्धिमानी का उपयोग करते हुए अपना सही परिचय बताए बिना राम-लक्ष्मण की परख की। जब हनुमान जी को मालूम हुआ कि ये राम-लक्ष्मण हैं तो वे अपने असली रूप में आ गए और सुग्रीव को इशारा कर दिया कि ये हमारे शत्रु नहीं हैं। हनुमान जी ने राम-लक्ष्मण से कहा कि आप मेरे राजा सुग्रीव के पास चलिए और उनसे मित्रता कर लीजिए। हनुमान जी राम-लक्ष्मण को लेकर सुग्रीव के पास पहुंचे और इनकी मित्रता कराई। हनुमान जी समझ गए थे कि इन दोनों की समस्याएं एक-दूसरे की मदद से हल हो सकती हैं। इस मित्रता के बाद श्रीराम ने बाली वध किया और सुग्रीव को राजा बना दिया। इसके बाद सुग्रीव ने अपनी पूरी वानर सेना सीता की खोज में लगा दी। वानर सेना ने रावण से युद्ध में भी श्रीराम का साथ दिया था।

विश्व मलेरिया दिवस

बाल मुकुन्द ओझा

मलेरिया के खिलाफ एकजुट प्रयास जरूरी

विश्व मलेरिया दिवस प्रत्येक वर्ष 25 अप्रैल को मनाया जाता है। दुनियाभर में हर साल मलेरिया के लाखों मामले सामने आते हैं। मलेरिया से मरने वालों की संख्या भी काफी ज्यादा होती है। विश्व मलेरिया दिवस हर साल एक थीम के साथ मनाया जाता है। इस साल 2026 की थीम मलेरिया के खिलाफ एकजुट रखी गई है। यह थीम कार्रवाई करने और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने के लिए उपलब्ध साधनों और रणनीतियों का उपयोग करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करती है। इस थीम के पीछे का मकसद लोगों को मलेरिया से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए जागरूक करना है। भारत इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पुरजोर प्रयासशील है। भारत ने हाल के वर्षों में मलेरिया उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है और इसके लिए वैश्विक स्तर पर भारत की प्रशंसा की गई है। वैश्विक स्तर पर 2024 में अनुमानित 28.2 करोड़ (282 मिलियन) मलेरिया के मामले और 6,10,000 मौतें दर्ज की गईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 90 लाख अधिक मामले हैं। वर्ष 2000 से अब तक, वैश्विक स्तर पर 2.3 अरब मलेरिया के मामलों और 1.4 करोड़ मौतों को रोका गया है, जिसमें अकेले 2024 में 10 लाख जीवन बचाए गए।

अब तक 47 देशों और एक क्षेत्र को मलेरिया मुक्त दर्जा मिल चुका है, जिसमें 2025 में मिस्र और तिमोर-लेस्ते शामिल हैं। हालांकि अक्टूबर 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मलेरिया के सकारात्मक मामलों में तीन साल के औसत की तुलना में 11.91 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 4.2 प्रतिशत की कमी आई थी। भारत सरकार 2030 तक मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य पर अडिग है और 2027 तक शून्य स्वदेशी मामलों तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। मलेरिया तेज बुखार वाली बीमारी है। यह संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलती है। यह मच्छर साफ पानी में अंडे देती है। इस रोग को फैलाने वाले परजीवी को प्लाज्मोडियम कहते है। वहीं गर्मी में मौसमी बीमारियों के बढ़ने का भी खतरा होने लगता है। ऐसे में हम सभी को मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों से सतर्कता और जागरूकता रखनी चाहिए। मच्छरों से बचाव के लिए आप अपने घर के आसपास पानी न भरने दें। बारिश के मौसम में किसी भी कंटेनर आदि में पानी जमा न होने दें और समय-समय पर कूलर को साफ करें।

अंतर्मन

आज की पाती

चुनावी भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा

एक खबर के अनुसार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडू में चुनाव आयोग ने चुनाव पूर्व छापे मारकर लगभग 1072.13 करोड़ रुपए, जिसमें नगदी, शराब और ड्रग्स शामिल हैं, जब्त किए। प्रत्यक्ष रूप से जब करोड़ों के चुनावी भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हुआ है, तब अप्रत्यक्ष रूप से कितना और भ्रष्टाचार होगा, जिसकी कल्पना करना मुश्किल है। बढ़ती भ्रष्ट चुनावी प्रथा जहां चिंतनीय है, वहीं स्वच्छ व कुशल सुशासन जनता को मिले, इसमें भी संदेह उत्पन्न होना स्वाभाविक है। हद हो गई कि जहां चुनाव में ही अरबों रुपए मय शराब और ड्रग्स के खर्च होते हों, तब राजनीतिक पार्टियों द्वारा देश से भ्रष्टाचार खत्म करने और सुशासन लाने की घोषणाएं बेमानी ही लगती हैं।

- सांकेत कुलकर्णी, रायपुर

करंट अफेयर

हिंदू कुश हिमालय में चौथे साल बर्फ की मात्रा कम

एक रिपोर्ट के अनुसार गंगा बेसिन 2026 में सामान्य से अधिक बर्फ वाले 12 क्षेत्रों में शामिल रहा जबकि हिंदू कुश हिमालय में बर्फ की मात्रा लगातार चौथे वर्ष सामान्य से कम रही और पिछले वर्ष के रिकॉर्ड-निम्न स्तर से भी नीचे चली गयी। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट' (आईसीआईएमओडी) द्वारा जारी हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) संबंधी एक वार्षिक रिपोर्ट है। आईसीआईएमओडी एचकेएच क्षेत्र में मौसमी हिमपात पर नजर रखता है और नवंबर से मार्च तक शीतकालीन महीनों में बर्फ की स्थिति का आकलन करता है।

ऑफ बीट

अनिद्रा अपने आप में एक बीमारी, इलाज की जरूरत

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या संभवतः प्राचीनकाल से ही इनसानों को परेशान करती आ रही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों में इसकी समझ हासिल करने की कोशिशों में काफी प्रगति की है।

अनिद्रा को लेकर वैज्ञानिकों की समझ में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी शिकायत शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी अन्य समस्या के कारण उभरती है। अनिद्रा के शिकार अधिकांश लोगों को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थॉयरॉयड, पेट से जुड़ी समस्याओं, लंबे समय से बरकरार दर्द, बेचैनी या अवसाद की शिकायत होती है। अनिद्रा जब किसी दूसरी बीमारी या समस्या का नजीता होती है

ट्रेंड

बंगाल की समृद्धि

हर बंगाली के लिए गंगा नदी का विशेष महत्व है। कह सकते हैं कि गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है। हुगली नदी पर, हमने पश्चिम बंगाल के विकास और महान बंगाली जनता की समृद्धि के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

- **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

स्वच्छ ऊर्जा आत्मनिर्भरता

आज अनाकापल्ली जिले में रीन्यू के शिलान्यास ने स्वच्छ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 5,400 करोड़ के निवेश से कंपनी स्वच्छ ऊर्जा से संचालित 6.5 गीगावाट का सौर इनगॉट-वेफर संयंत्र स्थापित कर रही है।

- **एन. चंद्रबाबू नायडू**, सीएम, आंध्र प्रदेश

गुजराती झुकेंगे नहीं

आम आदमी पार्टी द्वारा निडर होकर जनता की आवाज उठाना और सत्ता में बैठे लोगों को चुनौती देना... शायद कुछ लोगों को यह बर्दाश्त न हो। लेकिन अब गुजरात की जनता ने ठान लिया है कि वे गुंडागर्दी के आगे नहीं झुकेंगे।

-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

राष्ट्रीय पंचायती राज

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। पंचायती राज संस्थाएं हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं। भारत की वास्तविक शक्ति उसके गांवों में निहित है, और इसलिए, गांवों का सशक्त विकास ही राष्ट्र की प्रगति का मार्ग है।

- **मल्लिकार्जुन खरगे**, अध्यक्ष, कांग्रेस

संक्षेप

एसपी ने बीमार परीक्षार्थी को अस्पताल पहुंचाया

अमेठी में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बिगड़ी थी तबीयत, अब सामान्य

अमेठी, एसपी सरवणन टी ने होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बीमार हुए एक परीक्षार्थी को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। मुंशीगंज के रणवीर इंटर कॉलेज में आयोजित परीक्षा के दौरान यह घटना हुई, जिसके बाद परीक्षार्थी का इलाज किया गया और अब उसका स्वास्थ्य सामान्य है।दरअसल, जिले में तीन दिनों तक चलने वाली होमगार्ड भर्ती परीक्षा आज से शुरू हुई है।मुंशीगंज स्थित रणवीर इंटर कॉलेज में आयोजित इस परीक्षा में सुल्तानपुर जिले से आया एक परीक्षार्थी अचानक बीमार पड़ गया। इसी दौरान, निरीक्षण के लिए कॉलेज परिसर पहुंचे एसपी सरवणन टी ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल उसे अपनी गाड़ी से मुंशीगंज अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में उसका इलाज किया गया, जिसके बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और वह अब पूरी तरह स्वस्थ है। इलाज के समय एसपी सरवणन टी खुद मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने परीक्षार्थी की स्थिति पर नजर रखी।

हीटवेव से बचाव को एडवाइजरी जारी

डीएम के निर्देश पर आमजन से सतर्क रहने की अपील

अमेठी, बढ़ते तापमान (40 से 43 डिग्री सेल्सियस) के मद्देनजर भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अर्पित गुप्ता ने यह एडवाइजरी जारी की।इसमें सभी संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं और आमजन से सतर्क रहने की अपील की गई है। एडवाइजरी में घरों को गर्म हवाओं से बचाने के उपाय बताए गए हैं। इसके तहत खिड़कियों को एलुमिनियम पन्नी, गत्ते या रिफ्लेक्टर से ढकने की सलाह दी गई है, ताकि बाहरी गर्मी घर में प्रवेश न कर सके। जिन खिड़कियों और दरवाजों से दोपहर में गर्म हवा आती है, वहां काले परदे लगाने को कहा गया है। लोगों से स्थानीय मौसम पूवार्नुमान पर भी ध्यान देने और तापमान में संभावित बदलाव के प्रति सजग रहने की अपील की गई है। बाहर निकलते समय सिर और शरीर को कपड़े, टोपी या छतरी से ढकना अनिवार्य बताया गया है। भोजन के संबंध में संतुलित, हल्का और ताजा आहार लेने की सलाह दी गई है। बासी भोजन और मादक पदार्थों से परहेज करने को भी कहा गया है।लू से बचाव के लिए शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी न हो, इसके लिए लस्सी, छाछ, मट्ठा, बेल का शर्बत, नींबू पानी, नमक-चीनी का घोल और आम का पना जैसे पेय पदार्थों का नियमित सेवन करने की सलाह दी गई है।एडवाइजरी में हीटवेव (लू) को परिभाषित किया गया है।इसके अनुसार, जब तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक हो जाता है, तो उसे हीटवेव कहा जाता है। मार्च से जून के बीच तापमान अधिक रहने की संभावना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस संबंध में जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।लू लगने के लक्षणों में गर्म, लाल और शुष्क त्वचा, पसीना न आना, तेज नाड़ी, सांस लेने में तेजी, सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी, भ्रम की स्थिति और कमजोरी शामिल हैं।

लाइब्रेरी निर्माण के लिए काटा गया सेमल का पेड़, बदले में लगाए गए दर्जनों पौधे

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में छात्राओं के लिए आधुनिक लाइब्रेरी निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक सेमल का पेड़ हटाया गया। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, परिसर में सीमित स्थान होने के कारण यह निर्णय लिया गया, ताकि छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर और सुसज्जित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।प्रधानाध्यापिका सुमिता चौरसिया ने बताया कि विद्यालय में लंबे समय से एक समुचित लाइब्रेरी की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिससे छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकों तक आसानी से पहुंच मिल सके। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए लाइब्रेरी निर्माण की योजना को अमल में लाया जा रहा है।पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए विद्यालय प्रशासन ने एक पेड़ काटने के बदले परिसर व आसपास दर्जनों नए पौधे लगाए हैं।इन पौधों में छायादार एवं फलदार प्रजातियों को भी शामिल किया गया है, ताकि आने वाले समय में विद्यालय परिसर और अधिक हराभरा और स्वच्छ वातावरण वाला बन सके। साथ ही इन पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी तय की गई है, जिससे उनका समुचित विकास सुनिश्चित हो सके।प्रधानाध्यापिका ने यह भी बताया कि पेड़ की नीलामी से 12,000 रुपये की धनराशि प्राप्त हुई, जिसे चेक के माध्यम से विद्यालय के आधिकारिक खाते में जमा कराया गया है। इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ नियमानुसार संपन्न किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को पूर्व में अवगत कराया गया।उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षिक विकास ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है।इसी के तहत छात्राओं को पौधारोपण के महत्व के बारे में भी जानकारी दी जा रही है और उन्हें इन पौधों की देखभाल के लिए प्रेरित किया जा रहा है।प्रधानाध्यापिका सुमिता चौरसिया ने कहा, ह्लहमारा हर निर्णय छात्राओं के बेहतर भविष्य, आधुनिक सुविधाओं के विकास और पर्यावरण संतुलन को ध्यान में रखकर लिया गया है। आने वाले समय में यह लाइब्रेरी छात्राओं के लिए ज्ञान का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में नहर के किनारे मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

फॉरेंसिक ने जुटाये साक्ष्य व पुलिस जांच पड़ताल व संवैधानिक कार्यवाही में जुटी

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। महसी चौकी से कुछ दूर नहर के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी, जाँच में जुटी फॉरेंसिक व पुलिस टीम।

खबर है कि बहराइच के महसी इलाके में सोमवार सुबह नहर किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला।ग्रामीणों ने जैसे ही शव देखा, इलाके में अफरा-तफरी फैल गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मृतक की पहचान महसी टेपरा गांव निवासी इंद्रसेन (40 वर्ष) के रूप में हुई है, जो टेंट लगाने का काम करता था। बताया जा रहा है कि वह देर रात बड़रिया से अपने घर लौट रहा था, लेकिन सुबह उसका शव नहर किनारे मिला।

मृतक के चेहरे व सिर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध नजर आ रहा है एवं हत्या की आशंका जताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं।

इंद्रसेन अपने पीछे पत्नी और तीन मासूम बेटियों को छोड़ गया है, जिससे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

अमृत सरोवर जलाशय में भराया गया पानी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। जिलाधिकारी बहराइच अक्षय त्रिपाठी के निदेर्शानुसार विकासखंड कैसरगंज में मनरेगा योजना अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्मित अमृत सरोवर/ जलाशयों में अत्यंत भीषण गर्मी को देखते हुए जीव-जंतुओं व पशु-पक्षियों के पीने हेतु पानी भरवाने का कार्य खंड विकास अधिकारी कैसरगंज सचिन कुमार भारतीय द्वारा कराया गया। जानकारी देते हुए खंड विकास अधिकारी कैसरगंज सचिन कुमार भारतीय ने बताया इस समय की भीषण गर्मी में आमजन सहित जीव-जंतुओं व पशु-पक्षी भी बेहाल है, उक्त के पीने के पानी के संसाधन के क्रम में ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा से अमृतसर वालों को पानी से पूरा भरवाया गया, अमृतसरोवर वाले गांवों में रायगढ़ बेहड़ा, विजयपुर, इच्छापुर, सराय कनहर, गोड़हिया न.1 आदि गांवों में कम पानी वाले जलाशयों में पंपिंग सेट द्वारा बोरिंग इत्यादि संसाधनों से स्वच्छ पानी भरने का कार्य किया गया है।

नवागंतुक सीडीओ ने मीडिया बन्धुओं के साथ की परिचयात्मक बैठक

जनपद के सभी वरिष्ठ पत्रकारगण रहे मौजूद

अमन लेखनी समाचार

आर एन तिवारी/संतोष मिश्रा

बहराइच।बहराइच के नवागन्तुक मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता आईएएस बृहस्पतिवार को पदभार ग्रहण करने के उपरान्त आज विकास भवन सभागार में मीडिया बन्धुओं के साथ परिचात्मक बैठक की। श्री धनवंता ने बताया कि वह राजस्थान के मूल निवासी हैं तथा प्रारम्भिक शिक्षा वहीं से प्राप्त की है। वर्ष 2022 बैच के आईएएस अधिकारी श्री धनवंता जनपद में तैनाती से पूर्व आजमगढ़ जनपद में ज्वाइण्ट मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यरत रहे है। उन्होंने मीडिया बन्धुओं से अपेक्षा की कि आमजन की समस्याओं को जिला प्रशासन तक पहुंचाने तथा सरकार व जिला प्रशासन द्वारा कराये जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में सेतु रुपी भूमिका का निर्वाहन करें।

नवागंतुक सीडीओ श्री धनवंता ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं विकासपरक योजनाओं को शासन की मंशानुरूप धरातल पर क्रियान्वित कराना उनकी शीर्ष प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के मार्गदर्शन तथा अधीनस्थ अधिकारियों के समन्वय एवं सहयोग से आकांक्षी जनपद बहराइच के विकास लिए उनके द्वारा प्रयास किया जायेगा। श्री धनवंता ने मीडिया बन्धुओं से सहयोग की अपेक्षा करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जनपद के सभी वरिष्ठ पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

प्रगणकों को बताई गई जनगणना की बारीकियां

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। नानपारा तहसील में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना के लिए प्रगणकों और सुपरवाइजरों का तीसरे बैच का प्रथम दिवस सोमवार को नानपारा में शुरू हुआ।प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना कार्य में लगे गणनाकर्मियों और सुपरवाइजरों को आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से डेटा संकलन की प्रक्रिया, मोबाइल ऐप के उपयोग तथा सटीक आंकड़ों के संकलन के बारे में विभिन्न जानकारी साझा की गई। प्रशिक्षक ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल और तकनीकी रूप से उन्नत होगी।नानपारा स्थिति श्री शंकर इंटर कॉलेज को प्रशिक्षण केंद्र बनाया गया है। प्रत्येक बैच में प्रतिदिन लगभग 50-50 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। तहसीलदार नानपारा शैलेश अवस्थी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों को घर-घर जाकर मकानों की सूची तैयार करने, परिवारों का विवरण दर्ज करने के साथ ऑनलाइन प्रणाली में डाटा अपलोड करने के तरीके सिखाए गए। साथ ही उन्हें यह भी निर्देश दिए गए कि जनगणना कार्य के दौरान आमजन से विनम्र व्यवहार रखें और गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशासन का लक्ष्य है कि जनगणना 2027 का प्रथम चरण सुचारु और त्रुटिरहित तरीके से संपन्न कराया जा सके।

इंजेक्शन से युवक की मौत, मचा हड़कंप, जाँच में जुटा महकमा

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र के पिपरी माफी गांव में सोमवार को एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया।परिजनों ने गांव के ही एक झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है।

मृतक की पहचान पिपरी माफी निवासी जिमीदार गुप्ता(35) पुत्र नारायण गुप्ता के रूप में हुई है।परिजनों के अनुसार जिमीदार रविवार शाम एक बारात में गया हुआ था।देर रात वापस लौटने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद गांव के ही एक झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराया गया।आरोप है कि डॉक्टर द्वारा लगाए गए गलत इंजेक्शन के बाद उसकी हालत और बिगड़ गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी।युवक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे वृद्ध मां, पत्नी और दो मासूम बेटियों को छोड़ गया है। थानाध्यक्ष आनंद कुमार सिंह ने बताया कि मौके पर पुलिस टीम मौजूद है। पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

12 हजार रुपए में लंगूर कर रहा नौकरी

डीएस कॉलेज में बंदरों को भगाने के लिए रखा, वन विभाग ने कराया मुक्त

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़, धर्म समाज डिग्री कॉलेज में बंदरों के आतंक को खत्म करने के लिए गोलू नाम के लंगूर को 12 हजार रुपए प्रति माह नौकरी पर रखा गया है। रस्सी से बंधे हुए गोलू को देखकर बंदर तो बेशक भाग गए हैं, लेकिन इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने इसे पशु क्रूरता माना है। कॉलेज में पहुंची वन विभाग की टीम ने लंगूर के गले से रस्सी काटकर उसे मुक्त कराया। हालांकि वह अब भी कॉलेज में ही घूम रहा है।

6 महीने से तैनात था गोलू

कॉलेज कैंपस में बंदरों का इतना खौफ था कि छात्र-छात्राएं क्लास जाने से भी डरते थे।इस समस्या का समाधान निकालने के लिए कॉलेज ने करीब 6 महीने पहले गोलू नाम के लंगूर को नियुक्त किया था।इसके काम का समय भी निर्धारित है। गोलू सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक कॉलेज परिसर में रहता है।इसके लिए लंगूर के मालिक को 12,000 रुपए प्रति माह दिए जाते हैं।

बंदरों के आतंक में आई कमी

प्राचार्य डॉ. मुकेश भारद्वाज ने बताया कि गोलू की तैनाती के बाद से कैंपस में बंदरों का उत्पात लगभग खत्म हो गया है। छात्रझ्रछात्राएं बेखौफ होकर घूमने लगे थे। गोलू इतना लोकप्रिय हुआ कि छात्र उसके साथ सेल्फी भी लेते थे।

वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची

जैसे ही यह मामला सोशल मीडिया और खबरों के जरिए वन विभाग तक पहुंचा, टीम ने कॉलेज में छापेमारी की। वन विभाग के अधिकारियों ने पाया कि लंगूर को रस्सी से बांधकर रखा गया था, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध और क्रूरता की श्रेणी में आता है। वन विभाग के कर्मचारी ने लंगूर को रस्सी से मुक्त कराया। हालांकि बाद में भी लंगूर कॉलेज परिसर में ही घूमता रहा।

महिलाओं ने निकाली जन आक्रोश रैली

प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में फूंका विपक्ष का पुतला

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, जिला मुख्यालय गौरीगंज में प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में महिला जन आक्रोश रैली निकाली गई। इस रैली में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल हुईं, जिन्होंने विपक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने विपक्ष का पुतला भी फूंका, जिस पर पुलिस और भाजपाइयों के बीच धक्का-मुक्की हुई।यह जन आक्रोश रैली मनीषा महिला महाविद्यालय से शुरू होकर हनुमान तिराहे पर समाप्त हुई। रैली में भाजपा की सैकड़ों महिला नेता और कार्यकर्ता मौजूद थीं। यह रैली केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में आयोजित की गई थी। भाजपा का आरोप है कि विपक्ष ने इस विधेयक का समर्थन नहीं किया, जिसके कारण यह पारित नहीं हो सका। इसी मुद्दे पर भाजपा लगातार विपक्षी पार्टियों पर हमलावर है। पुतला फूंकने के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। रैली का नेतृत्व अमेठी के प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने किया। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष आशा बाजपेई, अमेठी नगर की पूर्व नगर पंचायत प्रत्याशी लक्ष्मी सोनी, जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, राकेश त्रिपाठी, भावनीदत्त दीक्षित, महेश सोनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।रैली के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पूरे मार्ग पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

तालाब में नहा रहे युवकों पर चाकू से हमला

पट्टी में तीन युवक गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, पट्टी कोतवाली क्षेत्र के आसपुर देवसरा अंतर्गत रेडीगारापुर गांव में शनिवार दोपहर तालाब में नहा रहे तीन युवकों पर चाकू से हमला किया गया। इस हमले में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी पट्टी लाया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।जानकारी के अनुसार, रेडीगारापुर गांव निवासी विजय यादव, शिवम यादव और विजय कुमार शनिवार को लगभग 3:30 बजे मोहिनी तालाब के पास नहा रहे थे।बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश के चलते कुछ हमलावरों ने अचानक उन पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।अचानक हुए इस हमले से तीनों युवक लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़े। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को बचाया।स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। क्षेत्राधिकारी के निर्देश पर आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारी नीरज सिंह ने बताया कि घायलों की स्थिति गंभीर है और मामले की गहन जांच की जा रही है।दिनदहाड़े हुई इस चाकूबाजी की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

पुलिस अभिरक्षा से फरार आरोपी मुठभेड़ में घायल

प्रतापगढ़ में दोनों पैरों में लगी गोली, जिला अस्पताल रेफर

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, पुलिस अभिरक्षा से फरार चल रहे एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। मानिकपुर पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस को ग्राम करेंटी क्षेत्र में मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक फरार अभियुक्त अवैध असलाह के साथ शहजादपुर (जनपद कौशाम्बी) से करेंटी गंगा पुल के रास्ते अपने वकील से मिलने आ रहा है।इस सूचना पर पुलिस टीम ने करेंटी तिराहे के पास सघन चेकिंग अभियान शुरू किया। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आरोपी को आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, जिसके बावजूद उसने दोबारा फायरिंग की।आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी घायल होकर गिर पड़ा। उसके दोनों पैरों में गोली लगी।घायल आरोपी की पहचान जलालुद्दीन उर्फ डब्बू (उम्र करीब 50 वर्ष), पुत्र मोहिउद्दीन, निवासी नई बाजार रहवई, थाना कुंडा, जनपद प्रतापगढ़ के रूप में हुई है।उसके पास से एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, आरोपी जलालुद्दीन के खिलाफ थाना मानिकपुर में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था, लेकिन वह 21 अप्रैल 2026 को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल से इलाज के दौरान फरार हो गया था। उसकी फरारी के संबंध में कोतवाली नगर, कमिश्नरेट प्रयागराज में भी एक मुकदमा दर्ज है।

संक्षेप

सीडीओ ने बागपत मोर्चरी का निरीक्षण किया

साफ–सफाई के सख्त निर्देश दिए

बागपत , मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अनिल कुमार ने जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस और मोर्चरी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और साफ-सफाई की कमी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को मोर्चरी परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान, सीडीओ ने पोस्टमार्टम कक्ष, वहां रखे उपकरणों और आसपास के परिसर की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक संवेदनशील स्थान है, जहाँ स्वच्छता और उचित व्यवस्था बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।सीडीओ ने अस्पताल प्रशासन को कचरे के उचित निस्तारण की व्यवस्था करने और समय-समय पर सैनिटाइजेशन कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर नियमित निगरानी रखने को भी कहा। सीडीओ कुमार ने बताया कि आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों से अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों ने सीडीओ को आश्वासन दिया कि मोर्चरी की व्यवस्थाओं में जल्द ही सुधार किया जाएगा। इस निरीक्षण के उपरांत, अस्पताल प्रशासन ने साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दी है।

दो नाबालिगों की मौत, तीन गंभीर

संतनगर गांव के पास बाइकों की आमने-सामने टक्कर, परिजनों में कोहराम

बागपत , दाहा-बरनावा मार्ग पर शनिवार दोपहर करीब दो बजे एक भीषण सड़क हादसे में दो नाबालिगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना संतनगर गांव से पहले बाइक और बुलेट की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुई। मृतकों की पहचान बरनावा निवासी 16 वर्षीय शाद पुत्र मुरसलीन और गौसपुर निवासी सलमान के रूप में हुई है। शाद अपने दोस्तों साहिल पुत्र इमरान और यश पुत्र अनूप जैन (दोनों बरनावा निवासी) के साथ स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर शाहजहांपुर गांव के एक होटल जा रहा था। तभी दाहा की ओर से आ रही बुलेट मोटरसाइकिल से उनकी टक्कर हो गई, जिसे सलमान चला रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों पर सवार पांचों युवक सड़क पर गिर गए। सूचना मिलने पर बिनौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सरकारी अस्पताल बिनौली में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने घायल यश पुत्र अनूप जैन (17), साहिल पुत्र इमरान (16) और फरहान पुत्र जाकिर (17, गौसपुर निवासी) की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बागपत रेफर कर दिया। मृतक सलमान के भाई मनव्वर ने बताया कि सलमान देवबंद से बुलेट मोटरसाइकिल के कागजात संबंधी काम निपटाकर लौट रहा था, जो उन्हें कुछ दिन पहले शादी में मिली थी। घटना की सूचना मिलते ही दोनों मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए।

दूल्हे ने मामा को लाठी-डंडे से मार डाला

घर में बकरी जाने को लेकर हुआ विवाद, आरोपी की आज जानी थी बारात

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , घूरपुर थाना क्षेत्र के बोंगाई गांव में घर के अंदर बकरी जाने के विवाद में भांजे ने अपने ही मामा को लाठी से मारकर मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गया। घटना के बाद परिवार के लोग आनन फानन में स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय लेकर भागे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित के दिया। घटना की सूचना ओर पहुंची घूरपुर थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पूरी घटना की जांच पड़ताल करते हुए आरोपी भांजे की तलाश में टीम लगा दी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल घटनास्थल पर शांति व्यवस्था बनी हुई है। अब जानिए पूरा मामला घूरपुर के बोंगी गांव निवासी निसार अहमद (55) घर के बाहर बैठे हुए थे। उस दौरान उसी गांव में रहने वाले निसार अहमद के भांजे गुड्डू की एक बकरी उसके मामा के घर में पहुंच गई। इस दौरान निसार अहमद ने बकरी को मारकर भगा दिया। सिर पर लाठी से कई बार किया हमला बकरी को चोट भी आ गई। इसके बाद गुड्डू मामा के घर पहुंचा और विवाद शुरू हो गया। इस दौरान गुड्डू ने अपने मामा निसार के सिर पर लाठी से कई बार हमला कर दिया। जिससे निसार खून से लथपथ जमीन पर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। घटना के बाद रवालों और पड़ोसियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद घूरपुर पुलिस ने पहुंचकर तत्काल घायल को इलाज के लिए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय भेज दिया। जहां खून अधिक बहने के कारण उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। आरोपी गुड्डू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी ईंट भट्ठा पर काम करता है। जबकि मृतक निसार नैनी में बीड़ी कारखाने में काम करता था। आरोपी की जानी थी आज बारात जिस भांजे गुड्डू ने अपने मामा की हत्या कर दी। उसी भांजे की आज शादी होनी थी। उसके घर पर बारात जाने की तैयारी की जा रही थी। बताया जा रहा है कि गांव में चंदा जुटाकर गुड्डू की शादी होनी थी। आरोपी गुड्डू की शादी गांव के ही रहने वाले राजू उर्फ ढनगु की बेटी से होनी थी। राजू उर्फ ढनगु आरोपी का खालू भी है। रात को गुड्डू की शादी होनी थी। घर में शादी की चल रही थी तैयारी आरोपी गुड्डू की शादी को लेकर जहां एक तरफ घर में तैयारी चल रही थी, वहीं दूसरी तरफ हत्या की खबर के बाद से परिवार में सन्नाटा पसरा हुआ है।

नैनी विद्युत भंडारण में भीषण आग

महाकुंभ से लौटे करोड़ों के उपकरण जलकर राख, 3 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , नैनी टीएसएल कंपनी के समीप विद्युत भंडारण में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही भंडारण में रहे कर्मचारी और अधिकारी भागकर बाहर निकल आए। इस दौरान अफरा तफरी मच गई। मौजूद कर्मचारियों ने आग को बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग फैलती गई।जिससे भंडारण में रखा उपकरण पूरी तरह से जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया, लेकिन काफी संख्या में विद्युत उपकरण जलकर राख हो गया।

महाकुंभ के बाद उपकरणों भंडारण में रखा था।

नैनी विद्युत भंडारण वाराणसी से संबद्ध है। यहां पर काफी संख्या में विद्युत उपकरण रखे हुए है। महाकुंभ मेले की समाप्ति की बाद वापस लौटने वाले उपकरणों को भंडारण में रखा गया था। जो आग की चपेट में आने से पूरा जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि उपकरणों को घास फूस के समीप रखा गया था। जिसकी वजह से इन उपकरणों में तेजी से आग फैल गई और धू धू कर जलने लगी।

शॉट सर्किट से लगी थी आग

अग्नि शमन प्रभारी नैनी महंथू चौधरी ने बताया कि एलईडी के तार से शॉट सर्किट हुआ था। जिसके कारण घास फूस में आग लग गई। आग की लपटों से घिरा उपकरण जलने लगा। इस दौरान कर्मचारियों ने देखा तो शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद सभी कर्मचारी मिलकर आग को बुझान में जुट गए। आग विकराल होने के कारण फैलती गई और उपकरणों को अपने चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। इसकी जांच कराई जाएगी। इस विद्युत भंडारण में करोड़ों का उपकरण रखा गया था।

संदिग्ध आतंकी तुषार के पिता बोले-दोषी निकला तो गोली मारूंगा

दादा आजाद हिंद फौज के सिपाही थे; नोएडा में एटीएस ने पकड़ा था

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , एटीएस ने मेरठ के जिस युवक तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्ला अली खान को आईएसआई एजेंट के रूप में काम करने के आरोप में अरेस्ट किया है, उसके दादा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज के सक्रिय सिपाही रहे हैं। तुषार के पिता शैलेंद्र चौहान ने कहा- वह मान ही नहीं सकते कि बेटा देशद्रोही है। अगर साबित होता है तो मैं उसे खुद गोली मारुंगा। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनके पिता को सम्मान स्वरूप ताम्रपत्र भी दिया था। पिता ने यह भी दावा किया कि उनका बेटा बचपन से यानी का शिकार है। वह अपना कोई काम खुद नहीं कर पाता।दरअसल, 23 अप्रैल को एटीएस ने आईएसआई से कनेक्शन के आरोप में नोएडा से तुषार (20) और उसके सहयोगी समीर खान को अरेस्ट किया था। तुषार, मेरठ के कंकरखेड़ा के वैष्णों धाम कॉलोनी का रहने वाला है। अनुसार, तुषार चौहान और उसके सहयोगी समीर खान आईएसआई के लिए काम करते हैं। दोनों पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आबिद जट के लिए काम करते थे। वे पाकिस्तानी कट्टरपंथी यूट्यूबर के लिए भी काम करते थे। पाकिस्तान से उनको संवेदनशील क्षेत्रों की रेकी करने, प्रभावशाली लोगों पर हैंड ग्रेनेड फेंकने का ऑफर दिया गया था। इसके लिए उनको 50 हजार रुपए एडवांस मिले थे। म पूरा होने के बाद 2.5 लाख रुपए मिलना था।

पहली पाली की परीक्षा संपन्न, दूसरी पाली की परीक्षा जारी

कड़ी सुरक्षा के बीच चल रही होमगार्ड भर्ती परीक्षा ,3 दिन में 6 पालियों में 1.20 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , जिले में होमगार्ड भर्ती परीक्षा शुरू हो गई। यह परीक्षा 27 अप्रैल तक दो पालियों में आयोजित होगी। पहले दिन की पहली पाली शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई, जबकि दूसरी पाली की परीक्षा जारी है। अभ्यर्थियों के अनुसार पेपर का स्तर सामान्य रहा और अधिकांश सवाल सिलेबस के भीतर से पूछे गए।जिले में भर्ती परीक्षा के लिए 43 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां तीन दिन में कुल छह पालियों में करीब 1.20 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। पूरे प्रदेश में 41,424 पदों के लिए 25.32 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया है।

पेपर रहा मॉडरेट, जीके के कुछ सवाल कठिन

बुलंदशहर से आए मोहित ने बताया कि पेपर मॉडरेट था और अधिकतर सवाल पढ़े हुए थे। हालांकि सामान्य ज्ञान के कुछ प्रश्न अपेक्षाकृत कठिन लगे। वहीं कांस्टेबल स्पेशल टॉपिक्स से ज्यादा सवाल पूछे गए। आकाश ने बताया की बहुत बढ़िया एग्जाम गया। कांस्टेबल लेवल के सवाल थे और कांस्टेबल स्पेशल टॉपिक्स से अच्छे सवाल थे। सवाल घुमा कर थे पर अच्छे सवाल थे। समय के अनुसार पेपर सटीक था और समय पर्याप्त रहा। उन्होंने आगे बताया की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी परीक्षार्थियों के लिए बेल्ट , कलवा , कड़े आदि उतरवा दिए गए थे। उन्होंने आगे कहा की सिक्के भी ले लिए गए थे। दीपक सोलंकी ने कहा कि उनका पेपर बहुत अच्छा गया और अब वे आगे भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण की तैयारी करेंगे दीपक सोलंकी ने कहा कि उनका पेपर बहुत अच्छा गया और अब वे आगे भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण की तैयारी करेंगे दीपक सोलंकी ने कहा कि उनका पेपर बहुत अच्छा गया और अब वे आगे भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण की तैयारी करेंगे। उन्होंने ये भी बताया की वो इससे पहले यूपी पुलिस की परीक्षा दे चुके है।

बोगस फर्मों से जीएसटी चोरी करने वाला गैंग बेनकाब

8.62 करोड़ रुपये की कर चोरी आई सामने, मेरठ के सीए का नाम आया सामने

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , पुलिस ने बोगस फर्मों से जीएसटी चोरी करने वाले एक गिरोह को बेनकाब किया है। कुल चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है। एमबीए पास युवकों का यह गैंग बताया जा रहा है, जिसमें शहर का एक चार्टर्ड एकाउंटेंट भी शामिल है। एक शिकायत मिली कि कुछ लोग बोगस फर्म के जरिए विभाग को करोड़ों रुपये की जीएसटी का नुकसान पहुंचा रहे हैं। टीम ने इन फर्मों की तलाश शुरू कर दी। ऐसे खुलकर सामने आया मामला अफसरों की मानें तो फरवरी माह में राज्य कर अधिकारी औरैया विजय शंकर दीक्षित ने खानपुर की मून इंटरप्राइजेज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच शुरू हुई तो मामला खुलकर सामने आ गया। पता चला कि यह फर्म केवल कागजों पर चल रही थी। इसके बाद बड़ी संख्या में फर्म रडार पर आ गई।

मेरठ से चार लोगों को दबोचा

जीएसटी की छानबीन में पूरे मामले से मेरठ का लिंक निकलकर सामने आया। जल्द ही कुछ लोगों को ट्रेस भी कर लिया गया। इसके बाद पुलिस के साथ मिलकर जीएसटी की टीमों ने नौचंदी के शास्त्रीनगर से मोहम्मद अतहर, सिविल लाइन के मोहनपुरी से विशाल, किठौर के महलवाले से मोहम्मद इमरान और शहर के एक सीए लिसाड़ीगेट के तारापुरी निवासी शाह आलम को दबोच लिया। अतहर गिरोह का मुख्य सरगना अफसरों की मानें तो इस पूरे खेल का मुख्य सरगना मोहम्मद अतहर है, जिसने मून इंटरप्राइजेज से खेल की शुरूआत की थी।

जिस सलीम को गला रेतकर मारने की कोशिश, वो हत्यारा

उम्रकैद हुई, लेकिन 26 साल से फरार; इस पर हमला करने वाले एनकाउंटर में मारे गए

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के जिस एक्स मुस्लिम यूट्यूबर सलीम वास्तिक का गला रेता गया था, उसके बारे में चौंकाने वाली बात सामने आई है। वह दिल्ली के कारोबारी के 13 साल के बेटे का हत्यारा निकला। दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वह 26 साल से फरार था। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने बताया कि दिल्ली पुलिस की टीम सुबह सलीम वास्तिक उर्फ सलीम खान के घर पहुंची। पूछताछ के बाद उसे अपने साथ ले गई। दिल्ली पुलिस के अफसरों के मुताबिक, 20 जनवरी 1995 को सलीम ने कारोबारी के 13 साल के बेटे संदीप बंसल का अपहरण किया था। परिवार से रंगदारी न मिलने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। अफसरों के मुताबिक, वारदात के बाद पुलिस ने सलीम को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। साल 1997 में सलीम को उम्रकैद की सजा हुई। हालांकि, साल 2000 में वह पैरोल पर बाहर आया था। उसके बाद वह फरार हो गया। बीते 26 सालों से वह शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ और गाजियाबाद में नाम बदलकर रह रहा था।

मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग देता था, स्टूडेंट का किडनैप किया

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, सलीम खान उर्फ सलीम वास्तिक दिल्ली के एक स्कूल में मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग देता था। इसी स्कूल में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कारोबारी का 13 साल का बेटा संदीप भी पढ़ता था। सलीम ने अपने साथी अनिल के साथ स्कूल जाते समय संदीप का अपहरण किया था।दोनों ने ढउड से कॉल कर 30 हजार रुपए की फिरौती मांगी। मांग पूरी न होने पर कारोबारी पिता को बच्चे की हत्या की धमकी दी। बाद में दोनों ने बच्चे की हत्या कर दी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने सलीम और अनिल की निशानदेही पर बच्चे का शव बरामद किया। सलीम पर मुकदमा चला। 1997 में कोर्ट ने सलीम और उसके साथी अनिल को उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके बाद सलीम ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर उम्रकैद की सजा रद्द करने की मांग की। हालांकि, 2011 में हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा।सलीम वास्तिक को 14 चाकू मारे गए थे27 फरवरी को दिनदहाड़े इस्लाम धर्म छोड़ चुके सलीम वास्तिक के ऑफिस में घुसकर उस पर जानलेवा हमला किया गया था। पुलिस के मुताबिक, बिना नंबर प्लेट की बाइक से आए नकाबपोश हमलावरों ने सलीम पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए थे और गला रेतने की कोशिश की थी।

दरोगा थाने की तीसरी मंजिल पर ले रहा था रिश्वत

मेरठ में 10 हजार रुपए लेते पकड़ा गया, एंटी करप्शन खींचकर ले गई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,एक दरोगा को रिश्वत लेते हुए थाने के अंदर से रंगेहाथ पकड़ा गया। दरोगा ने एक व्यक्ति से मुकदमा सेटल कराने के नाम पर 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से कर दी थी। इसके बाद टीम ने जाल बिछाकर दरोगा को थाने की तीसरी मंजिल पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। उसे खींचकर कंकरखेड़ा थाने ले गई। छत्रपाल 2023 बैच का दरोगा है और पल्लवपुरम थाने पर तैनात है। पल्लवपुरम थाने में तैनात दरोगा छत्रपाल बरेली का रहने वाला है। फिलहाल वह पल्लवपुरम थाने में तैनात है। बताया जा रहा है कि दरोगा ने मेडिकल थाना क्षेत्र में रहने वाले मनीष और उनकी पत्नी को गांजा रखने का आरोपी बनाया था। इसी मुकदमे को सेटल करने के लिए छत्रपाल ने मनीष से 10 हजार रुपए की मांग की थी। मनीष ने यह सूचना एंटी करप्शन को दे दी। सथ ही 10 हजार रुपए लेकर शनिवार को पल्लवपुरम थाने पहुंचा था वहां एंटी करप्शन की टीम दरोगा को पकड़ने के लिए पहले से जाल बिछाए बैठी थी। जैसे ही मनीष से दरोगा ने रुपए लि, एंटी करप्शन ने उसे दबोच लिया। इसके बाद टीम दरोगा को कंकरखेड़ा थाने ले गई। वहां से दरोगा को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।थाने की तीसरी मंजिल पर ले रहा था रुपएएंटी करप्शन टीम ने बताया- दरोगा छत्रपाल सिंह पल्लवपुरम थाने की तीसरी मंजिल पर स्थित अपने कमरे में रिश्वत ले रहा था। उसने एनडीपीएस एक्ट के एक पुराने मुकदमे को रफा-दफा करने के नाम पर पीड़ित से घूस मांगी थी।

एनटीपीएस एक्ट के तहत फंसाया गया– पीड़ित

शिकायतकर्ता मनीष मेडिकल थाना क्षेत्र का रहने वाला है। मनीष कुमार ने बताया- मुझ पर और मेरी पत्नी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत 17 नंवबर, 2025 को मुकदमा हुआ था। हमें मुल्जिम बना दिया गया। जबकि, हमारे पास कुछ नहीं मिला था। हम तो अपने घर पर थे। दो और लड़के भी इस मामले में पकड़े गए थे। उनके पास से पुलिस को गांजा मिला था। घर पर कुर्की का नोटिस भी लगायामनीष ने बताया- मुकदमा दर्ज होने के बाद हमने कहा कि जांच कर लो, जो दोषी हो उन पर कार्रवाई करो। इसके बाद पुलिस हम लोगों पर लगातार दबाव बनाने लगी, हमें परेशान करने लगी। 27 मार्च, 2026 को हमारे घर पर कुर्की का नोटिस भी लगा दिया गया।पुलिस ने मेरी पत्नी सीमा से कहा कि हम इसे खत्म कर देंगे, हमें पैसे दे जा। इसके बाद हमारी बातचीत 10 हजार रुपए में तय हुई। मैंने दरोगा को पैसा देने से पहले इसकी सूचना 23 अप्रैल को एंटी करप्शन को दे दी दरोगा छत्रपाल ने मुझे फोन पर कहा कि यहां पल्लवपुरम थाने आ जाओ और 10 हजार रुपए दे जाओ। तब मैंने यह बात एंटी करप्शन की टीम को बताई। मैं पैसे लेकर थाने आया।

11 वर्षीय बच्चा 7 दिन से लापता

अपहरण का केस दर्ज, पुलिस ने शुरू की तलाश

अमन लेखनी समाचार

जेवर , ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र स्थित आकलपुर गांव से 11 वर्षीय एक बच्चा पिछले सात दिनों से लापता है। परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।मूल रूप से बिहार के रहने वाले रविंद्र शर्मा ने दनकौर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह आकलपुर गांव में रहकर ड्राइविंग का काम करते हैं। उनका बेटा गौरव 18 अप्रैल को घर से अचानक लापता हो गया था।परिजनों ने बच्चे की तलाश आसपास के इलाकों में काफी की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। बच्चे के लापता होने से परिवार चिंतित है और उन्हें किसी अनहोनी की आशंका है। पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। बच्चे की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संभावित स्थानों पर बच्चे की तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही बच्चे का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा में ट्रक ने बाइक सवार को कुचला

युवक की मौत, चालक हिरासत में लिया गया

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। यह घटना जारचा थाना क्षेत्र के बिसहाड़ा रोड पर हुई। बिसाडा गांव निवासी 26 वर्षीय धर्मेंद्र अपने पिता को वर्कशॉप में खाना देकर मोटरसाइकिल से गांव लौट रहा था। तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी और उसे कुचल दिया। धर्मेंद्र की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने दादरी-बिसहाड़ा रोड को जाम कर दिय पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया और चालक को हिरासत में ले लिया। इसके बाद ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस सड़क पर अक्सर ऐसे हादसे होते रहते हैं, जिनमें लोगों की जान जाती है। उनका कहना था कि इस संकरी सड़क पर बड़े वाहन लापरवाही से चलाए जाते हैं

ग्रेटर नोएडा में वर्कशॉप संचालक से मारपीट

गाड़ी का अउ ठीक न करने पर हमला, चार घायल, वीडियो वायरल

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में एक कार वर्कशॉप में गाड़ी का अउ ठीक करने से मना करने पर कुछ लोगों ने वर्कशॉप संचालक सहित कई व्यक्तियों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस मारपीट में चार लोग घायल हो गए हैं। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।पीड़ित युसुब खान ने बताया कि उनकी दुकान पर एक कार में सवार दो लोग अउ में खराबी की शिकायत लेकर आए थे। युसुब ने जांच के बाद अउ ठीक करने में असमर्थता जताई और उन्हें किसी अन्य मैकेनिक के पास जाने की सलाह दी। इसी बात पर कार सवार युवक भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। युसुब के विरोध करने और डायल 112 पर पुलिस को सूचना देने पर आरोपी वहां से चले गए, लेकिन जाते समय अंजाम भुगतने की धमकी दी। कुछ देर बाद, वे कई अन्य साथियों के साथ वापस लौटे और वर्कशॉप पर हमला कर दिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से वहां मौजूद लोगों को पीटा, जिससे चार लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने बनाया था, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित ने इस संबंध में दादरी थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही है।

शाहाबाद तहसील में 'प्राइवेट राज'

अधिवक्ताओं का फूटा गुस्सा, एसडीएम दफ्तर पर सर्वाधिक आरोप

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए अधिवक्ताओं ने भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसील में सरकारी व्यवस्था पर 'प्राइवेट कर्मचारियों' का कब्जा है और बिना 'सेटिंग' कोई काम संभव ही नहीं।

बार सभागार में हुई चर्चा के दौरान अधिवक्ताओं ने सबसे ज्यादा निशाने पर उपजिलाधिकारी कार्यालय को लिया। कहा गया कि यहां भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। एसडीएम न्यायिक और तहसीलदार न्यायालय में भी प्राइवेट कर्मचारियों की दखलअंदाजी और लेन-देन की शिकायतें आम हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि एसडीएम, तहसीलदार को प्राइवेट कर्मचारियों की करतूतें बखूबी मालुम हैं लेकिन जब कथित तौर पर उन्हीं के उकसावे पर खेल हो रहा है तो रोके टोके निरीक्षण, जाँच और कार्यवाही भला कौन करे।

सीमांकन में लापरवाही, राजस्व तंत्र पर आरोप अधिवक्ताओं और वादकारियों ने कहा कि भूमि कब्जों और सीमांकन मामलों में सबसे ज्यादा खेल हो रहा है। राजस्व निरीक्षकों पर मनमानी के आरोप लगे—फाइलें लटकाना, रिपोर्ट बदलना और पक्ष विशेष को फायदा पहुंचाना आम बात बताई गई। आरोप यह भी कि शिकायतों और अखबारी सुर्खियों के बावजूद अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। जिससे सिद्ध है कि अधिकारियों की शह पर ही सब घालमेल चल रहा है।

भू-माफियाओं का दबदबा, अवैध प्लॉटिंग का जाल तहसील क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग कारोबार तेजी से फैलने और उसमें नगरपालिका क्षेत्र में ईओ और तहसील इलाके में एसडीएम की मिलीभगत भला किसे नहीं मालुम लेकिन कोई दमदार शिकायतकर्ता भी करे तो क्या करे क्योंकि जनपद स्तर तक कोई सुनने वाला नहीं और ऊपर की जाँच नीचे आ जाती है और जनसुनवाई पोर्टल फर्जी आख्यायों और आंकड़ों के खेल को लेकर जागरूक जनों के बीच चर्चित है। बेहटाकोला-नसीरपुर, परियल, गढ़ेपुर, झोथपुर –सुहागपुर, आगमपुर, गिगियानी, और मझिला थाना क्षेत्र के भी करीब एक दर्जन गाँव ऐसे हैं, जहाँ एक ही राजस्व निरीक्षक का नाम बदनाम है जिसके कारण सम्पूर्ण तहसील प्रशासन नीचे से ऊपर तक बदनाम है। फिर भी उसके ऊपर उच्च शिक्षा राज्य मन्त्री के लोगों का अब भी जबरदस्त संरक्षण प्राप्त है, इससे पहले उसे तत्कालीन उपजिलाधिकारियों में अभी यहाँ से सवायजपुर स्थानांतरण पर जा चुके एसडीएम का सीधा संरक्षण रहा है जबकि सत्य यह है कि बहुचर्चित राजस्व निरीक्षक न अधिकारियों का है और न मन्त्री का और न मन्त्री के लोगों का ही है? उसके सामने रुपया बोलता है वह तभी कलम खोलता है बांकी अपने संरक्षकों को भी वह बखूबी भटकाना जानता है। फिलहाल अधिवक्ताओं ने कहा कि भू-माफियाओं का इतना दबदबा है कि सरकारी जमीनें भी सुरक्षित नहीं रहीं। सरकारी संपत्तियां, शत्रु संपत्तियां, वक्फ संपत्तियां, तालाब, कुएं, खलिहान, चकरोड, विद्यालयों की जमीन, नवीन परती और चारागाह तक पर कब्जे की शिकायतें उठीं लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। प्रशासन मौन, सिस्टम बदनाम अधिवक्ताओं ने साफ कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि प्रशासन की उदासीनता ने भ्रष्टाचार को खुली छूट दे दी है, जिससे न सिर्फ आम जनता परेशान है बल्कि पूरे सिस्टम की साख पर भी बट्टा लग रहा है। कुल मिलाकर खुले मंच से बार सभागार में जिस तरह अधिवक्ताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिवक्ताओं हालातों पर चर्चा की और कहा कि यदि जल्द ही हालात नहीं सुधरे तो तहसील स्तर से लेकर जिला मुख्यालय तक बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। बहुचर्चित राजस्व निरीक्षक द्वारा जमीन की पैमाइश में गड़बड़ी से अटकी योजनाओं में प्रस्तावित महिला महाविद्यालय और रोडवेज बसड्डा की जमीन का मामला भी न केवल काफी चर्चा में है बल्कि मन्त्री की ओर भी उँगलियाँ उठ रहीं हैं। महिला महाविद्यालयः सीमित जमीन, गलत पैमाइश और अतिक्रमण के आरोप लगे हैं। रोडवेज बस अड्डा की जमीन आवंटन के बावजूद निर्माण में देरी, सीमांकन पर सवाल और बसड्डे की जमीन कब्जे की योजना में शामिल राजस्व निरीक्षक की चर्चा है और यह कॉमन समस्या है कि कागजों और मौके की जमीन में अंतर है। इसलिए संकेत साफ हैं कि जब तक सही पैमाइश और कब्जा मुक्त जमीन सुनिश्चित नहीं होगी, विकास योजनाएं फाइलों से बाहर नहीं निकल पाएंगी और उच्च शिक्षा राज्यमन्त्री जैसे अब तक भूमिपूजन और लोकार्पण कर-कर औपचारिकता निभाती रहीं वैसे ही आगे भी निभाती रहेंगी। कुल मिलाकर जो भी हो रहा है उसमें मन्त्री और मन्त्री के खासमखास के रूप में चर्चित लोगों का कथित तौर पर हाथ है। हालांकि इस सम्बन्ध में एसडीएम ने कॉल रिसीव नहीं की और उच्च शिक्षा राज्य मन्त्री ने आरोपों को असत्य बताते हुए कहा कि वे महिला महाविद्यालय और रोडवेज बसड्डे की जमीन के बारे में जल्द जानकारी करेंगी।

गंगा एक्सप्रेस-वे बने पीएम मोदी के हेलीपैड पर हेलीकॉप्टरों रिहर्सल

29 को प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट..

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां, हरदोई। गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आने की तैयारियों को लेकर एक्सप्रेस-वे पर बने हेलीपैड पर हेलीकॉप्टरों ने रिहर्सल कर उड़ान भरी। मल्लावां-मेंहदीघाट रोड से निकले गंगा एक्सप्रेस-वे पर बंदीपुर कलेनापुर के पास 29 अप्रैल को जनसभा के लिए पहले 65 हेक्टेयर भूमि को लिया गया था, उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के निरिक्षण के बाद से 144 हेक्टेयर जमीन पर व्यवस्था की जा रही है। सड़क के दोनों पार्किंग बनाई गई है। जोनवार तय किया गया इसमें मैं सुपर जोन 19 जोन 61 सेक्टर, 109 सब सेक्टर बनाए गए है। पीएम मोदी के लिए गंगा एक्सप्रेस-वे पर बनाए गए दोनों हेलीपड पर सोमवार को हेलीकॉप्टर उतारे गए। सुरक्षा को लेकर पायलटो ने कई बार उड़ान भरी और एसपीजी जवानों से बात कर लौट गए। एक्सप्रेस वे के नीचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेलके लिए अलग-अलग हेलीपैड बनाए गए है। एक्सप्रेस वे के पास बनी वाटिका को सुन्दर बनाने को लेकर अधिकारी जुटे हुए है। बनाए गए गड्ढों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरिशंकरी रोपेंगे। कार्यक्रम में हरदोई, उन्नाव, फरुखाबाद शाहजहांपुर, कन्नौज से दो लाख लोगों के आने की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जा रही है। सुरक्षा को लेकर विभिन्न जनपदों से भारी तादात में फोर्स पहुंचकर मौर्चा संभाले में लगा है। बम निरोधक दस्ता के कई वाहन भी पहुंच चुके है। मंच और पंडाल और पार्किंग का लगभग कंप्लीट कर लिया गया है।

मिश्रपुर में बारात से लौट रहे युवक पर सरिया से हमला, तीन घायल–एक की हालत नाजुक

जिगना। स्थानीय थाना क्षेत्र के मिश्रपुर गाँव में बीती रात बारात में आर्केस्ट्रा देखकर घर वापस लौट रहे युवक व बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के दो अन्य युवकों को लोहे की राड सरिया से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना पर पीआरवी पुलिस के पहुंचने के पहले ही हमलावर भाग निकले। निजामुद्दीन पुत्र स्व० नेब्बूअली ने बताया कि उसका 23 वर्षीय बेटा गुलाम हुसैन गाँव में आई बारात में आर्केस्ट्रा देखने गया था। दो बजे रात जब वह घर वापस लौट रहा था बीच रास्ते में घात लगाए बैठे चार-पांच युवकों ने राड सरिया से हमला बोल दिया। मारपीट कर उसे मरणासन्न कर दिया। 25 वर्षीय भतीजा शहाबुद्दीन पुत्र खालिद बीच बचाव करने पहुंचा तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। सूचना पर पीआरवी पुलिस के पहुंचने के पहले ही हमलावर भाग निकले। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि दोनों घायलों को पीएचसी सरोंई में भर्ती कराया गया है।

खेतों में लगी आग से 33 केवी लाइन ठप, विद्युत आपूर्ति बाधित

अमन लेखनी समाचार

गरौठा/गुरसराय। सोमवार शाम लगभग 4 बजे मडपुरा रोड स्थित खेतों में फसल कटाई के बाद ग्रामीणों द्वारा लगाई गई आग ने बड़ा रूप ले लिया। आग की चपेट में आकर गैस एजेंसी के सामने खेत में खड़ा एक जंगली पेड़ जल गया और गिरकर 33 केवी खडैनी विद्युत लाइन पर आ गिरा। इस घटना में 33 केवी लाइन के करीब 8 स्पैन के तार टूट गए तथा 2 खम्भे भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे 33 केवी उपकेंद्र खडैनी की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। घटना की सूचना अवर अभियंता द्वारा तत्काल डायल 112 एवं थाना गुरसराय को दी गई। उपखंड अधिकारी गुरसराय ने दूरभाष के माध्यम से उपजिलाधिकारी गरौठा को भी घटना से अवगत कराया। विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर अस्थाई रूप से आपूर्ति बहाल करने के प्रयास में जुटी रही। विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि रात्रि में अस्थाई व्यवस्था कर विद्युत आपूर्ति शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि 28 अप्रैल 2026 को 33 केवी लाइन की मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

सुरजीपुर में बाबा साहब की मूर्ति तोड़ने को लेकर बसपा का प्रतिनिधिमंडल सैकड़ो पदाधिकारियो के साथ पहुंचा

अराजक तत्वों ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को किया खंडित

अमन लेखनी समाचार

बेहटा गोकुल/हरदोई 155 विधानसभा शाहाबाद के अंतर्गत थाना बेहटा गोकुल क्षेत्र के ग्राम सुरजीपुर में 26 अप्रैल 2026 की रात्रि में अराजक तत्वों द्वारा परम पूज्य बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को किया गया खंडित जैसे ही सूचना पुलिस प्रशासन एवं बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियो को लगी तुरंत पुलिस प्रशासन के लोग पहुंचे तो वहीं बसपा प्रमुख मायावती जी के निर्देश पर बसपा जिला अध्यक्ष सूर्यकांत निराला के नेतृत्व में बसपा का प्रतिनिधिमंडल सैकड़ो पदाधिकारियो के साथ मौके पर पहुंचा आपको बता दें 26 अप्रैल की रात्रि में दो अज्ञात बाइक सवार लोगों ने ईट से बाबा साहब की प्रतिमा को तोड़ने का काम किया वही उस समय प्रत्यक्षदर्शी महिला के अनुसार लगभग 11:00 बजे महिला शौच के लिए निकली थी उसने बताया कि बाबा साहब के बगल में एक बाइक आई जिस पर दो लोग सवार थे और वह खड़े हो गए फिर महिला बगल में बनी लैट्रिन के अंदर चली गई लेकिन जब उसने तोड़फोड़ की आवाज सुनी तो वह बाहर निकली और उसने जैसे ही टॉर्च लगाई तो दो युवक बाइक पर सवार होकर गांव की तरफ भाग गए और उसने जाकर देखा तो मूर्ति टूटी हुई थी जिस पर महिला के चिल्लाने पर गांव के तमाम लोग रात्रि में ही इकट्ठा हो गए और उन्होंने तुरंत पुलिस प्रशासन को एवं बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियो को सूचना देने का काम किया उधर पुलिस प्रशासन के लोग मौके पर पहुंचकर रातों-रात नई मूर्ति बाबा साहब की मंगवाकर के सुबह तक लगवाने का काम जारी था और पीड़ित से तहरीर लेकर दो के खिलाफ अज्ञात में मुकदमा पंजीकृत जांच शुरू कर दी वहीं बसपा प्रमुख मायावती के निर्देश पर हरदोई जिला अध्यक्ष सूर्यकांत निराला निराला के नेतृत्व में बसपा का प्रतिनिधिमंडल सैकड़ो पदाधिकारियो के साथ मौके पर पहुंचकर क्षेत्राधिकारी हरपालपुर से फोन पर वार्ता हुई और मौके पर मौजूद थाना अध्यक्ष बेहटागोकुल से वार्ता कर दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की एवं मौके घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने की भी मांग की और जिला अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जो भी दोषी हैं उनकी तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए इस मौके पर लखनऊ मंडल प्रभारी अनिल कुमार गौतम जिला अध्यक्ष सूर्यकांत निराला जिला संयोजक रणधीर बहादुर जिला उपाध्यक्ष ठाकुर सत्यपाल सिंह जिला महासचिव महेश कुशवाहा जिला कोषाध्यक्ष कफील खान कार्यकारिणी सदस्य ज्ञान प्रकाश वर्मा प्रमोद सहगल शरीफ हुसैन प्रेम शंकर गौतम समर सिंह राहुल बर्मा बृजेश कुमार राय शाहबाद विधानसभा प्रभारी अरविंद गौतम आलोक कुमार गौतम विधानसभा अध्यक्ष छोटेलाल वर्मा महासचिव रविंद्र गौतम संतराम बौद्ध एबी लाल लज्जाराम अंकित कुमार देवेंद्र कुमार बीरबल विमलेश गौतम धरम वीर अमर सिंह सहित सैकड़ो की संख्या में बसपा कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे

चुने हुए ग्राम प्रधानों को मिले प्रशासक का दायित्वः प्रदीप टांडा

30 अप्रैल को होंगी ब्लॉक स्तरीय बैठकें

अमन लेखनी समाचार

झांसी। पंचायत चुनाव समय पर न होने की स्थिति में गांवों के विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए जनता द्वारा चुने गए ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक का दायित्व सौंपा जाना चाहिए। यह बात राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के मंडल अध्यक्ष प्रदीप यादव टांडा ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने बताया कि 20 अप्रैल को संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर यह मांग रखी कि यदि निर्धारित समय पर पंचायत चुनाव नहीं हो पाते हैं, तो ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाया जाए। संगठन ने पंचायत चुनाव में हो रही देरी पर चिंता जताते हुए कहा कि 26 मई तक चुनाव न होने की दशा में चुने हुए जनप्रतिनिधियों को ही प्रशासनिक जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। प्रदीप टांडा ने कहा कि ग्राम प्रधान स्थानीय परिस्थितियों और गांव की आवश्यकताओं से भली-भांति परिचित होते हैं, ऐसे में उन्हें प्रशासक बनाए जाने से विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी और जनता को लाभ मिलेगा। उन्होंने जानकारी दी कि संगठन द्वारा आगामी 30 अप्रैल को ब्लॉक मुख्यालयों पर ब्लॉक स्तरीय बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में ग्राम प्रधानों की समस्याओं पर चर्चा के साथ-साथ उन्हें प्रशासक बनाए जाने की रणनीति भी तैयार की जाएगी। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष टहरौली अवध बिहारी, गुरसराय ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभान सिंह परमार, बामौर ब्लॉक अध्यक्ष अशोक अहिरवार, चिरगांव ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभान सिंह दांगी, बड़ागांव ब्लॉक अध्यक्ष पर्वत कुशवाहा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

खेतों से जंगल तक भड़की आग, तीन घंटे बाद भी नहीं पहुंची दमकल, ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद रायबरेली/ थाना क्षेत्र के गांव पूरे बझल गोतिन मजरे डीघा में बृहस्पतिवार 26 अप्रैल की दोपहर लगभग 2 बजे अचानक खेतों में भीषण आग लग गई। तेज हवाओं और भीषण गर्मी के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और खेतों से होते हुए गांव की ओर बढ़ने लगी। इससे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते गांव से सटे जंगल तक पहुंच गई। जंगल में सूखी झाड़ियों और पेड़ों के कारण आग और अधिक भड़क उठी और आसपास के इलाकों में धुएं का गुबार फैल गया। स्थिति को गंभीर होते देख गांव के लोग तुरंत सक्रिय हो गए और अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी। ग्रामीणों ने पास के नलकूप चलाकर खेतों में पानी छोड़ा और बाल्टियों तथा पाइपों के सहारे आग पर काबू पाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने आग को कुछ हद तक नियंत्रित कर लिया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद जंगल के भीतर दोबारा आग भड़क उठी। इससे ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई। गांव के गजेन्द्र सिंह ने बताया कि घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को तुरंत दे दी गई थी, लेकिन शाम करीब 5 बजे तक लगभग तीन घंटे बीत जाने के बावजूद दमकल की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। इससे ग्रामीणों में दहशत के साथ-साथ प्रशासन के प्रति नाराजगी भी देखने को मिली। आग के दोबारा भड़कने के बाद ग्रामीण पहले से अधिक सतर्क हो गए और एहतियात के तौर पर ट्यूबवेल चलाकर गांव से लगे खेतों में पानी भरना शुरू कर दिया, ताकि आग गांव की आबादी तक न पहुंच सके। समाचार लिखे जाने तक जंगल में आग धधक रही थी और दमकल की टीम मौके पर नहीं पहुंची थी।

पुलिस लाइन चुर्क में 485 रिक्रूट आरक्षियों की भव्य दीक्षांत परेड सम्पन्न

नवआरक्षियों ने लिया जनसेवा का संकल्प।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस लाइन चुर्क स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में 485 रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड समारोह अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। पूरे परेड ग्राउंड में अनुशासन, ऊर्जा और जोश का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जहां नवआरक्षियों ने अपने कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और उत्कृष्ट कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक (यातायात) अरविन्द कुमार मौर्या रहे, जिन्होंने परेड की सलामी ली और परेड ग्राउंड में सुसज्जित 18 टोलियों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों की एकरूपता, शारीरिक दक्षता और ड्रिल की उत्कृष्टता की सराहना की। निरीक्षण के दौरान नवआरक्षियों का आत्मविश्वास और अनुशासन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके बाद सभी टोलियों ने शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। कदम से कदम मिलाकर चल रहे जवानों ने सलामी मंच से गुजरते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। मार्चपास्ट की सटीकता और तालमेल ने उपस्थित लोगों को बेहद प्रभावित किया और पूरे परिसर में गर्व का माहौल बना दिया। समारोह में प्रशिक्षण के विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट आरक्षियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। सर्वांग सर्वोत्तम प्रशिक्षार्थी-प्रशांत शुक्ला (1246.1 अंक) बाह्य कक्षीय विषयों में सर्वोत्तम प्रशांत शुक्ला अंतः कक्षीय विषयों में सर्वोत्तम-नीरज ओझा अन्य विषयों में भी कई प्रशिक्षार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सम्मान प्राप्त किया, जिससे समारोह प्रेरणादायक बन गया। मुख्य अतिथि अरविन्द कुमार मौर्या ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने नवआरक्षियों को ईमानदारी, निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का संदेश दिया तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। साथ ही सभी नवआरक्षियों को कर्तव्यों के प्रति शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने नवआरक्षियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि को और मजबूत बनाने में उनकी अहम भूमिका होगी और आमजन के प्रति संवेदनशील एवं मित्रवत पुलिसिंग ही उनकी पहचान बनेगी।

हाईवे पर सक्रिय डीजल/स्टेपनी टायर चोरी गैंग पर पुलिस का बड़ा प्रहार

थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा 90 लीटर चोरी का डीजल व ट्रकों के स्टेपनी टायर के साथ 03 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना राबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा हाईवे पर सक्रिय डीजल चोरी करने वाले संगठित गिरोह के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की गयी है। दिनांक 26.04.2026 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त एवं वांछित अभियुक्तों की तलाश में मामूर थी, तभी मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि मु0अ0सं0 321/2026 से सम्बन्धित चोरी गया डीजल व अन्य सामान कुछ व्यक्ति टोल प्लाजा के पास झाड़ियों में छिपाकर उसकी खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 15-15 लीटर के 06 प्लास्टिक गैलनों में कुल 90 लीटर चोरी का डीजल, तीन ट्रकों के स्टेपनी टायर तथा 01 अदद ट्रक का टायर बरामद किया गया इसके अतिरिक्त अभियुक्तों के पास से मोबाइल फोन एवं नगद धनराशि भी बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा स्वीकार किया गया कि वे अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर हाईवे किनारे खड़े ट्रकों से सुनसान स्थानों पर डीजल चोरी करते हैं तथा उसे स्थानीय बाजार में बेच देते हैं। साथ ही विभिन्न ट्रकों से स्टेपनी टायर चोरी कर अवैध रूप से बेचने का कार्य भी करते हैं। अभियुक्तों ने यह भी बताया कि चोरी के दौरान पकड़े जाने की आशंका होने पर वे पत्थरों से हमला कर मौके से फरार हो जाते थे, जिससे यह गैंग एक खतरनाक एवं संगठित गिरोह के रूप में कार्य कर रहा था। अभियुक्त रमेश केशरी द्वारा चोरी के माल को कम दाम में खरीदकर बाजार में अधिक दाम पर बेचने की बात स्वीकार की गयी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उक्त गिरोह चोरी एवं अवैध खरीद-फरोख्त की श्रृंखला के रूप में कार्यरत था। उक्त बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्तगणों के विरुद्ध मु0अ0सं0 321/2026 धारा 307, 317(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत विधिक कार्यवाही करते हुए चालान माननीय न्यायालय किया गया है।

एचपीएससी की एचसीएस प्रारंभिक परीक्षा को जिला में प्रशासन ने सफलता पूर्वक करवाया संपन्न : विवेक आर्य

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि एचपीएससी की एचसीएस प्रारंभिक परीक्षा को जिला में प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ सफलतापूर्वक संपन्न करवाया गया है। इस जिला में 26 स्कूलों में 37 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। इन परीक्षा केदो में मॉर्निंग सेशन में 10224 में से 5977 परीक्षार्थियों और इवनिंग सेशन में 10224 में से 5901 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसके साथ ही मॉर्निंग सेशन में 4247 और इवनिंग में 4323 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) कार्यकारी शाखा एवं अन्य संबद्ध सेवाओं-2025 की प्रारंभिक परीक्षा को निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस परीक्षा के लिए परीक्षा केदो को 6 जोन में बांटा गया था। प्रत्येक जोन में एक एक एचसीएस अधिकारी को विशेष जिम्मेदारी दी गई थी। इसके अलावा प्रत्येक स्कूल में एक पर्यवेक्षक व अन्य टीम को नियुक्त किया गया था। परीक्षार्थियों को सुविधा देने के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए गए थे। सभी तैयारी के साथ जिले में परीक्षा को शांति पूर्वक ढंग से संपन्न करवाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की गई। पहला सत्र सुबह 10 से 12 बजे और दूसरा सत्र दोपहर 3 से 5 बजे तक चला। दोनों प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के थे और अंग्रेजी-हिंदी द्विभाषी थे। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) कार्यकारी शाखा एवं अन्य संबद्ध सेवाओं-2025 की इस भर्ती के तहत कुल 102 पदों पर नियुक्ति की जानी है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

नृत्य ऐसी कला है, जो जीवन को उमंगित कर देती है। जिनके जीवन में नृत्य शामिल होता है, वे हर पल संतुलित, आनंदित महसूस करते हैं। नृत्य दिवस के अवसर पर यहां अलग-अलग शैली के नर्तक और नृत्यांगनाएं बता रहे हैं नृत्य का उनके जीवन में क्या महत्व है? यानी, नृत्य ने उनके जीवन को किस-किस स्तर पर बदला, उसे अलग दिशा प्रदान की? जब नृत्य के दौरान वे उसमें पूरी तरह खो जाते हैं तो उस समय किस तरह की अनुभूति होती है? और शारीरिक-मानसिक सेहत बेहतर करने में नृत्य की भूमिका को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?

आवरण कथा / प्रस्तुति: रेणु खंतवाल

जीवन की सरगम पर तन-मन की थिरकन

नृत्य से जीवन में निखार आता है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

नृत्य मेरे लिए जीवन है और मेरे जीवन में नृत्य है। मैं ऐसा महसूस करती हूं कि अगर मेरे जीवन में नृत्य नहीं होता तो मेरे जीवन का कोई अस्तित्व भी नहीं होता। नृत्य ने समय-समय पर मेरे जीवन को बदला, स्थापित किया। मुझे अलग-अलग स्तर पर पहचान दी, आगे बढ़ाया। इसी की वजह से मुझे कॉलेज में स्कॉलरशिप मिली और देश दुनिया में अपनी कला दिखाने का अवसर मिला। मैं दृढ़ विश्वास से आगे बढ़ पाई। सन 2013 में मुझे ओडिसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार का भी मेरे जीवन में बहुत महत्व रहा है। नृत्य के माध्यम से मैंने खुद को खोजा, समझा कि मुझमें क्या अच्छाई है, क्या कमी? जब भी मैं नृत्य करती हूं, उसमें खो जाती हूं। उसके बाद मैं नृत्य के शिखर बिंदु पर पहुंच जाती हूं। वहां तो मुझे अपनी कोई सुधबुध नहीं रहती। पूर्ण समर्पण के साथ मैं नृत्य में डूबी होती हूं। उस दौरान एक दिव्य शक्ति को महसूस करती हूं। जब मैं अपनी प्रस्तुति पूरी करती हूं, उसके बाद मुझसे कुछ बोला ही नहीं जाता, मैं चुप हो जाती हूं। कभी महसूस करती हूं कि अब मुझे एकांत चाहिए। जिस शक्ति के साथ मैं नृत्य कर रही थी, उसी शक्ति के साथ मैं कुछ वक्त बिताऊं। नृत्य से मुझे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नृत्य को शामिल करना चाहिए। नृत्य से जीवन में निखार आता है। नृत्य के माध्यम से आप समाज में अलग पहचान, महत्व बनाते हैं। बहुत त्याग और तपस्या से मैंने नृत्य के माध्यम से देश-दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। *

तन-मन-जीवन के लिए जरूरी है नृत्य

श्रुति सिन्हा, कथक नृत्यांगना

नृत्य मेरे जीवन का महत्वपूर्ण, बहुआयामी हिस्सा है। नृत्य ने मुझे जीने का सकारात्मक नजरिया दिया। मेरा शरीर, मन और आत्मा पूरे तरीके से नृत्य में डूबे रहते हैं। मैं नृत्य के जरिए खुद को बहुत मजबूत महसूस करती हूं। जीवन में जितने भी उतार-चढ़ाव आते हैं, उससे उबरने में नृत्य मेरी बहुत सहायता करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर नृत्य का मुझ पर बहुत प्रभाव रहा। आज नृत्य के कारण ही सामाजिक स्तर पर मुझे इतना मान-सम्मान मिलता है। नृत्यांगना, नृत्य शिक्षिका और कोरियोग्राफर के रूप में मेरी पहचान है। नृत्य ने ही मुझे सकारात्मक, ऊर्जावान बनाया। आत्म खोज व अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना सिखाया। रचनात्मक नई सोच और कल्पनाशक्ति प्रदान की। इस तरह नृत्य ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है। कई बार नृत्य करते हुए मैं जब उसमें पूरी तरह खो जाती हूं, उस समय जो अनुभूति होती है उसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उस अनुभूति को सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उस समय मैं सिर्फ अपने आप में लीन होकर नृत्य में डूबी होती हूं। शायद इसे ही नृत्य के जरिए मनुष्यतत्व का देवतत्व तक पहुंचना कहते हैं। नृत्य बहुत अच्छा व्यायाम भी है, जिससे शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। नृत्य आत्मविश्वास बढ़ाता है, तनाव, चिंता व अवसाद कम करता है। नृत्य, संगीत और ताल के साथ जुड़कर मन को खुशी व शांति देता है। मन को संतुलित करने के साथ-साथ पूरे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाता है। इस तरह नृत्य शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत लाभकारी होता है। मेरा मानना है कि नृत्य को अपने डेली रूटीन में शामिल करने से सकारात्मक सोच बढ़ती है। आलस नहीं रहता। शरीर बीमारियों से दूर रहता है। अतः हम किसी भी उम्र के हों, नृत्य जरूर करना चाहिए। *

नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है

बीके अतुल गोस्वामी, कंटेंपरेरी डांसर-कोरियोग्राफर

मेरे लिए नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि मेरी पहचान है। नृत्य ने मेरे शरीर को शक्ति, मन को शांति और मेरी आत्मा को मुझसे जोड़ा है। जहां शब्द रुक जाते हैं, वहां से मेरा नृत्य शुरू होता है यानी नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब मैं नृत्य करता हूं और पीक पर पहुंच जाता हूं, उस समय मुझे यह महसूस होता है कि मैं डांस नहीं कर रहा हूं बल्कि मेरी आत्मा मेरे शरीर से डांस करवा रही है। उसके बाद हर बीट दिल की धड़कन बन जाती है और दुनिया कुछ पलों के लिए ठहर सी जाती है। डांस करते हुए मैं इस पीक को हमेशा महसूस करता हूं क्योंकि उन पलों में मैं खो जाता हूं। नृत्य केवल शरीर की ही नहीं बल्कि मन की थेरेपी भी होती है। नृत्य वो ताकत है, जो तनाव को भी ऊर्जा में बदल देता है। जैसे ही आप डांस करना शुरू करते हैं, शरीर में जितनी भी नकारात्मकता है, वह अपने आप रिलीज होने लगती है और आप बहुत हल्का महसूस करते हैं। अगर आप रूटीन में अपनी पसंद का कोई भी डांस शामिल करें तो यह आपको फ्रीडम का एहसास कराएगा। डांस के हर बीट पर आप अपने तनाव को कम करते जाते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से तो फिट रखता ही है, साथ ही सोच व विचारों को सकारात्मक भी बनाता है। जब भी मैं तनाव महसूस करता हूं तो डांस करके खुद को हल्का और खुश महसूस करता हूं। इसलिए मैं तो यही सबसे कहता हूं कि हर इंसान को डांस जरूर करना चाहिए। *

नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है

ऐश्वर्य हरीश, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मेरे लिए नृत्य केवल जीवन का हिस्सा नहीं है बल्कि मेरा जीवन ही है। मैं अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी से हूं, जो नृत्य कला से जुड़ी है। नृत्य मेरे खून में रचा-बसा है। बचपन से मैं देखती आ रही हूं कि यह मेरे साथ इस तरह जुड़ गया कि कभी लगा ही नहीं कि मैं कुछ अलग काम कर रही हूं। नृत्य ने मुझे अनुशासन और धैर्य सिखाया। खुद को समझना सिखाया। जैसे-जैसे मैं नृत्य करती गई यह मेरे लिए केवल नृत्य नहीं रहा बल्कि साधना बन गया। नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के और करीब ले जाता है। कई बार लगता है कि जो मैं शब्दों में नहीं कह पाती, वह नृत्य अपने आप कह देता है। नृत्य में जो पीक स्टेज होती है, उसे शब्दों में कह पाना मुश्किल है। क्योंकि उस समय आप नृत्य कर नहीं रहे होते बल्कि नृत्य बन जाते हो। एक अलग ही स्थिति होती है, जहां अहंकार धीरे-धीरे मिट जाता है। उस समय न तो समय का, न दर्शकों का और न ही मंच का बोध रहता है। बस लय भाव और एक प्रवाह रह जाता है। कभी लगता है कि बाहर और भीतर का भेद ही मिट गया है और जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने आप हो रहा है और आप उसका आनंद ले रहे होते हैं। अगर आप कृष्ण और यशोदा का संवाद दिखा रहे हैं तो आप ही कृष्ण, आप ही यशोदा हो जाते हैं। यह बहुत गहरा आनंद होता है। यह वह पल होता है, जहां कला साधना और अध्यात्म, तीनों एक हो जाते हैं। नृत्य शरीर का संतुलन अभ्यास भी है। इससे स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ता है। नृत्य की मुद्राएं शरीर में एक संतुलन उत्पन्न करती हैं और धीरे-धीरे यही संतुलन आपके जीवन जीने के तरीके और व्यवहार में भी आता है। जब आप नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो एकाग्रता अपने आप बढ़ने लगती है। मन स्थिर हो जाता है। जीवन में तनाव भी कम होने लगता है। मेरा मानना है कि कला इंसान को सकारात्मक बनाती है। जब आप संगीत के साथ थोड़ी देर लय ताल में थिरकते हैं तो आपकी ऊर्जा अपने आप बदलने लगती है। *

मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता सिनेमा
माइक्रो-सीरीज का चढ़ता सूरज!

न्यू ट्रेंड
गौरव द्विवेदी

फिल्म, टीवी सीरियल, वेब-सीरीज और शॉर्ट फिल्म्स के बाद अब माइक्रो-सीरीज का ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसके पॉपुलर होने की क्या वजहें हैं। यह किस तरह से एंटरटेनमेंट स्टाइल को पूरी तरह बदल रहा है, इस पर एक नजर।

भारत में मनोरंजन की दुनिया एक दिलचस्प मोड़ पर है। सिनेमा अब बड़े पर्दे से निकलकर मोबाइल स्क्रीन में सिमट रहा है। इस बदलाव का सबसे बड़ा चेहरा है माइक्रो-सीरीज और वर्टिकल वीडियो। यह केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक वैश्विक बदलाव है। अनुमान है कि 2025 तक दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 82% वीडियो कंटेंट का रहा, जिसमें शॉर्ट, वर्टिकल वीडियो का दबदबा सबसे ज्यादा था।

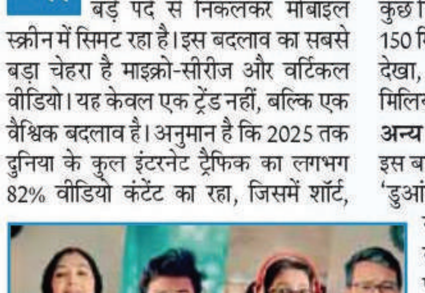

बढ़ रहा शॉर्ट वीडियो मार्केट: इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने देखने की आदत को पूरी तरह बदल दिया है। अब दर्शक 'देखता' नहीं, बल्कि 'स्क्रॉल' करता है, और हर स्क्रॉल में कहानी फिट होनी चाहिए। भारत में इस बदलाव की गति और भी तेज है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक दर्शक पहले ही माइक्रो-ड्रामा कंटेंट देख रहे हैं। यानी यह अब मनोरंजन की मुख्यधारा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर शॉर्ट वीडियो मार्केट का आकार 2026 में लगभग 59 अरब डॉलर आंका जा रहा है, जो 2033 तक बढ़कर 118 अरब डॉलर से ज्यादा का हो सकता है। सिर्फ वर्टिकल वीडियो सेगमेंट ही 2025 में लगभग 67% हिस्सेदारी तक पहुंच चुका है, जो इस फॉर्मेट की ताकत को दर्शाता है।

घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिका: भारत में इस उभार के पीछे घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिका है। 'कुकु टीवी' जैसे प्लेटफॉर्म ने वर्टिकल माइक्रो-ड्रामा को एक नई पहचान दी है। इसके 1.2 करोड़ (12.7 मिलियन) से अधिक डाउनलोड्स हो चुके हैं, जबकि इसके ऑडियो प्लेटफॉर्म 'कुकु एफएम' ने 1 करोड़ से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी तरह 'मोज' और 'जोश' जैसे भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स ने मिलकर 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक यूजर इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। नई श्रेणी के प्लेटफॉर्म जैसे 'क्विक टीवी', 'टुकटुकी', 'कटिंग' भी 2–5 मिनट के एपिसोड्स के साथ तेजी से उभर रहे हैं, और कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार हाल के महीनों में ही 150 मिलियन व्यूअर्स ने माइक्रो-सीरीज कंटेंट देखा, जबकि रोजाना एपिसोड व्यूज 100 मिलियन तक पहुंच गए।

अन्य देशों में भी बढ़ रही पॉपुलैरिटी: चीन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 'डुआंजू' (माइक्रो ड्रामा) इंडस्ट्री तेजी से एक समानांतर फिल्म उद्योग बन चुकी है। वहीं अमेरिका में भी 'ड्रामा बॉक्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स करोड़ों यूजर्स के साथ पारंपरिक ओटीटी को चुनौती दे रहे हैं। इतना ही नहीं, यू-ट्यूब शॉर्ट्स पर रोजाना दो सौ अरब व्यूज तक का आंकड़ा सामने आता है, जो इस बदलाव की गति को दर्शाता है।

तेजी से बढ़ रहा ट्रेंड: भारत में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ रहा है। सस्ते डेटा, 5जी और स्मार्टफोन के प्रसार ने इसे जन-आंदोलन बना दिया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में युवा दर्शक अब माइक्रो-सीरीज को न केवल देख रहे हैं, बल्कि बना भी रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह मॉडल बेहद आकर्षक है। जहां एक

पारंपरिक टीवी शो के एक एपिसोड पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, वहीं एक वर्टिकल सीरीज का पूरा सीजन कुछ लाख में बन सकता है। हालांकि, इस तेजी के साथ कुछ खतरे भी हैं। जैसे-कहानियों की गहराई कम हो रही है और एल्गोरिदम यह तय कर रहा है कि क्या चलेगा? फिर भी, यह मानना होगा कि यह बदलाव अस्थायी नहीं है। यह भारतीय मनोरंजन उद्योग के नए ढांचे की नींव है। आने वाले समय में बड़ी फिल्में और वेब-सीरीज पहले माइक्रो-फॉर्मेट में अपनी लोकप्रियता साबित करेंगी। अब सिनेमा देखा नहीं जाता, स्क्रॉल किया जाता है। और जो स्क्रॉल में फिट हो जाए, वही नया सिनेमा है। *

(लेखक फिल्म पॉलिसी के जानकार हैं)

गीत / कृष्ण बिहारी

सबकी अपनी सीमाएं हैं

कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं,
हर कोई रीता-रीता है
कहने को सभी अघाए हैं।
अतृप्त जिंदगी छूंछी-सी
ऊपर से दिखती सजी-धजी
गर पास बुलाकर बैठा लो
तो लगती कितनी बुझी-बुझी
भ्रम के साए में सभी यहां
मुरदा पहचान बनाए हैं।
पेट काट जो तन ढंकती थी
वही भरे पेट अब नंगी है
नाच-नाचकर कहे सभ्यता
दुनिया यह रंग-बिरंगी है
रंग-रोगन से पुते हुए सब
भीतर-भीतर मुरझाए हैं।
जब देह में मन अनुपस्थित हो
औ' रूप जिए केवल पीड़ा
मेले में भी तनहाई हो
औ' प्राण हीन हो हर क्रीड़ा
तो बात समझनी क्या मुश्किल
अपनों से भेद छिपाए हैं।
कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

शातिर अंतरात्मा गब्बर की

गब्बर की अंतरात्मा ने झकझोरते हुए कहा, 'तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

'जब वही धंधा शहर में रह कर भी किया जा सकता है, तो बीहड़ में छिपकर क्यों रहा जाए?' एक रोज गब्बर की शातिर अंतरात्मा से आवाज आई, 'रे मूर्ख, परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। तू देखता ही होगा कि राजनेता आए दिन अपनी दलीय निष्ठाएं बदलते रहते हैं। बयानवीर अपने बयान बदल लेते हैं। सरकार में मंत्रियों के विभाग बदल जाते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले होते रहते हैं। जिनका स्थानांतरण किया जाता है, वे जब दूसरी जगहों पर तैनाती पाते हैं तो क्या उनके गुण-धर्म बदल जाते हैं? भ्रष्टाचारी को कहीं भी भेज दो, वह भ्रष्टाचारी ही रहेगा। उसे सदाचारियों की भीड़ के बीच बैठा दो, तब भी वह स्वयं तो सुधरेगा नहीं, वहां के लोगों को अपने जैसा जरूर बना लेगा। यह काम तो तू भी कर सकता है। तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब गब्बर की अंतरात्मा से यह आवाज बार-बार उठने लग गई, तब उसने एक शाम अपने गैंग के सदस्यों का एक पैनल बनाया और स्वयं एंकर की भूमिका में रहते हुए एक धुआंधार बहस की। एक बहसबाज दस्यु ने कहा, 'डकैती डालना घृणित कार्य है। अब हमें वैकल्पिक रोजगार की तलाश करनी चाहिए।' यह सुनकर दूसरे दुर्दांत बहसबाज ने घोर आपत्ति की, 'तुम बकवास कर रहे हो। डकैती तो हमारा पवित्र धर्म है। कोई हमारे धर्म को लेकर ऐसी बात कहेगा, तो मैं उसका सिर कलम कर दूंगा।' तीसरे बहसबाज डकैत ने कहा, 'अब डकैती के धंधे में पहले जैसी बरकत नहीं रही। मैं कल सरदार के आदेश पर एक गांव में गया था। वहां पर पहले हमारे जाते ही लोग अपने घरों से अनाज की बोरियां लाकर हमारे चरणों में धर दिया करते थे। इस बार मुझे पता चला कि सभी लोग खुद खाली थैले लेकर पांच किलो अनाज पाने के लिए सरकारी गल्ले की दुकानों पर गए हुए थे।' चौथे बहसबाज डाकू ने कहा, 'सरदार, अब आप ही बताइए, आपका निर्णय ही हमें दिशा दिखला सकता है।'

गब्बर ने बहस का समापन करते हुए कहा, 'मैंने तुम सबकी बातें ध्यानपूर्वक सुनी हैं और इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि हमें अपना यह डकैती वाला धंधा छोड़ देना चाहिए और दूसरे वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। हम इस घटाटोप जंगल में अड्डे बदलते-बदलते आजिज आ चुके हैं। ऊपर से हमेशा पुलिस का डर बना रहता है। साथ में मुखबिरी के खतरे तो हैं ही। क्या पता, अपने ही गैंग का कौन बंदा कब दगा दे जाए और हम सब एक दिन किसी एनकाउंटर में मार दिए जाएं! क्यों कालिया?' तब कालिया कहने लगा, 'सरदार, मैंने आपका नमक खाया है। घोर महंगाई में आपने हमें नीबू भी खिलाए हैं। आपकी कृपा बनी रहेगी तो हम आपके फार्म हाउस में बैठकर कल पिज्जा-बर्गर भी खाएंगे। वैसे भी यह कोई हमारा पुश्तैनी धंधा तो है नहीं कि इसे छोड़ देने में डकैतों की बिरादरी में हमारी नाक कट जाएगी। हम बीहड़ की जगह शहर में रहकर भी वहां के सम्मानित डकैतों जैसी शानदार जिंदगी जी सकते हैं।' उन सभी की बातें सुनकर गब्बर ने खैनी मलते हुए पूछा, 'अरे ओ सांभा, तू क्यों चुप है? तू भी तो बता कि हमें क्या करना चाहिए?' सांभा बोला, 'सरदार, आपने जो फैसला लिया है, वही सही है।'

इसके बाद उस इलाके में अपने बर्बर आतंक के चलते कुख्यात हो चुका गब्बर अब एक शरीफ डकैत बन चुका है। यूं भी कुख्यात और विख्यात होने में कोई खास अंतर नहीं होता है। मात्र जंगल और नगर का फर्क होता है। तो गब्बर और उसका गैंग अब सम्मानित डकैत बन चुके हैं। अब उस पर सरकारें इनाम नहीं घोषित करतीं हैं। अब वह खुद सरकारों को मदद-इमदाद करता है। अब पुलिस भी उसे ठोकने की फिराक में नहीं रहती, अलबत्ता वह उसे ही सलाम ठोंकती है। लेकिन कल गब्बर के साथ एक बुरी बात हो गई। उसके घर पर सीबीआई और ईडी का छापा पड़ गया। उसकी हवेली पर बुलडोजर चल गया। गब्बर अपने पूरे गैंग के साथ जेल में है और अपनी शातिर अंतरात्मा को तलाश रहा है। वह मिल जाए तो उसे गोली मार देगा। लेकिन गब्बर यह बात नहीं जानता है कि उसकी अंतरात्मा तो डकैती के धंधे में आते ही मर चुकी थी। यह उसका आंतरिक भय था, जिसको वह गलती से अपनी शातिर अंतरात्मा समझ बैठा था। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

एहसास

सड़क पर दूर से ही पुलिस वालों की चेकिंग होती देख कमलेश ने अपनी मोटरसाइकिल वापस घुमा ली। 'क्या हुआ, गाड़ी क्यों वापस घुमा रहे हो?' पीछे बैठे दोस्त ने पूछा। 'आगे चेकिंग चल रही है। इन पुलिस वालों को कोई काम धंधा है नहीं। जब देखो चौराहे पर खड़े होकर चेकिंग करना शुरू कर देते हैं। हेलमेट क्यों नहीं पहना? लाइसेंस कहां है? बिना नंबर की गाड़ी कैसे चला रहे हो? ढेरों सवाल पूछने लगते हैं। उनको तो बस लोगों को तंग करना होता है और कुछ नहीं।' कमलेश झुंझलाते हुए बोला। 'ऐसा क्यों बोल रहे हो? वो तो बेचारे अपनी ड्यूटी करते हैं।' दोस्त ने कमलेश को समझाने की कोशिश की। 'अरे, काहे की ड्यूटी! इनको तो बस अपनी जेब भरनी होती है और कुछ नहीं।' कमलेश खीझ भरे स्वर में बोला।

इस घटना के कुछ दिनों बाद कमलेश के बेटे का एक्सीडेंट हो गया। बिना नंबर वाली गाड़ी चला रहे किसी टेंपो ड्राइवर ने पीछे से उनके बेटे की बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी थी। हेलमेट न पहनने की वजह से उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। 'ये पुलिस वाले आखिर करते क्या हैं? बिना लाइसेंस, नंबर वाले अवैध वाहनों के खिलाफ, चेकिंग करके उन पर नियंत्रण क्यों नहीं करते?' कमलेश की पत्नी बिलखते हुए अपने पति से पूछ रही थी। आज कमलेश को अपनी उस दिन की गलती का एहसास हुआ। अब उसे पुलिस वालों की चेकिंग का महत्व समझ में आ गया था। *

पुस्तक चर्चा / कुलदीप सिंह भाटी

ग्लैमर की दुनिया का किस्सा

कथा साहित्य में किस्सागोई का एक विशिष्ट स्थान रहा है। कारण इसका यह है कि किस्सागोई में बात से बात निकलती चली जाती है। इस तरह इसमें रोचकता के साथ ही साथ जिज्ञासा भी बनी रहती है। वरिष्ठ कथाकार और शायर हबीब कैफी का नया उपन्यास 'काला, धौला और रंगीन' इसी किस्सागोई शैली में लिखा गया एक उम्दा उपन्यास है। इस कथा की मुख्य पात्र पलक है। फिल्मी दुनिया की यह सफल अभिनेत्री, जब एक साहित्यकार के आगे खुलने लगती है तो प्रायः बंद ही रहने वाली यह स्त्री जिंदगी की कई परतें खोलती चली जाती है। पता चलता है कि एक नामी राजघराने से ताल्लुक रखने वाली यह अभिनेत्री अपने क्षेत्र, फिल्मी दुनिया के साथ ही साहित्य, कला और संगीत आदि से भी बड़ी हद तक लगाव और जुड़ाव रखती है। संवेदनशील अभिनेत्री पलक इस बीच सहज ही अपनी जिंदगी की परतें भी खोलती चली जाती है तो पता चलता है कि एक्स्ट्रा जूनियर आर्टिस्ट से नामी अभिनेता बने, समीर से यह गहरे प्रेम में है। मानवीय गुणों से संपन्न नैसर्गिक अभिनेता समीर मस्त मौला स्वभाव के कारण पलक के प्रेम का ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाता। समय अपनी गति से गुजरता जाता है और एक दिन अचानक ही समीर दुनिया छोड़ जाता है। उपन्यास के अंत में पाठक पलक की सच्ची और गहरी मोहब्बत महसूस करते हैं तो उनका दिल भी भर आता है।

लगभग अपठनीयता के इस दौर में यह उपन्यास न केवल स्वयं को पढ़वा ले जाता है, अपितु एक गहरी कसक भी पाठक के मन में छोड़ जाता है। उपन्यास के भाषा की रवानगी भी इसकी पठनीयता को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। *

पुस्तक: काला, धौला और रंगीन (उपन्यास), लेखक: हबीब कैफी, मूल्य: 299 रुपए, प्रकाशक: कौटिल्य बुक्स, दिल्ली